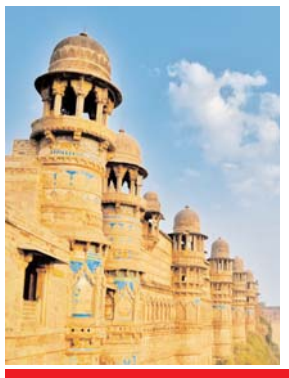

दैनिक पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 340 | ग्वालियर, 5 अक्टुबर गुरुवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

गांधी जयंती पर खादी प्रोडक्ट्स के सेल्स ने तोड़े सभी रिकॉर्ड, पीएम मोदी के मन की बात में अपील का असर

गांधी जयंती के मौके पर इस वर्ष खादी और ग्रामोउद्योग प्रोडक्ट्स के सेल्स ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए. राजधानी नई दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित खादी भवन में 1.52 करोड़ रुपये के खादी और ग्रामोउद्योग प्रोडक्ट्स की सेल्स देखने को मिली है जो कि अब तक का रिकॉर्ड है. 2022 में गांधी जयंती पर कुल सेल्स 1.34 करोड़ रुपये की हुई थी. गांधी जयंती के मौके पर खादी प्रोडेक्ट्स की मांग में जोरदार बढ़ोतरी देखने को मिलती है. और इस वर्ष भी ऐसा ही हुआ है. 2 अक्टूबर 2023 को गांधी जयंती के मौके पर कनॉट प्लेस के खादी भवन का सेल्स 1,52,45,000 रुपये रहा है. जबकि 2022-23 में गांधी जयंती पर 1.34 करोड़ रुपये और 2021-22 के दौरान 1.01 करोड़ रुपये की सेल्स देखने को मिली थी. 24 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में देशवासियों से गांधी जयंती पर मौके पर खादी के प्रोडक्ट्स खरीदने की अपील की थी. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि त्योहारों के सीजन की शुरुआत हो रही है. ऐसे में घर के लिए कुछ नई चीजें खरीदने की हर कोई सोच रहे होंगे. ऐसे में लोकल फॉर वोकल के मंत्र को याद करते हुए उन्होंने देशवासियों से मेड इन इंडिया प्रोडक्ट्स खरीदने की अपील की. उन्होंने कहा आप जो भारतीय सामान खरीदेंगे उसका सीधा लाभ हमारे श्रमिकों, कारीगरों, शिल्पकारों और अन्य विश्वकर्मा भाइयों-बहनों को होगा.

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को अब 600 रुपये में मिलेगा गैस सिलेंडर, मोदी कैबिनेट ने बढ़ाई सब्सिडी

मोदी कैबिनेट ने बुधवार (4 अक्टूबर) को बड़ा फैसला लिया. कैबिनेट ने उज्जवला योजना के लाभार्थी की सब्सिडी 200 रुपये से बढ़ाकर 00 रुपये कर दी है. कैबिनेट ने रक्षा बंधन और ओणम के अवसर पर में 200 रुपये कटौती की घोषणा थी. आज उज्जवला के लाभार्थी के लिए 200 से बढ़ाकर 300 रुपये कर दी गई है. केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मीटिंग के बाद प्रेस कॉनफ्रेंस कर कहा, %%पीएम मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई. हमने रक्षा बंधन और ओणम के अवसर पर रसोई गैस के सिलेंडर में 200 रुपये की कटौती करके की थी. ये कीमत घटकर 1100 से कम होकर 900 रुपये हो गई. उज्जवला योजना के लाभार्थी के 700 रुपये में गैस मिलने लगा था. उज्जवला योजना के लाभार्थी की बहनों की अब 300 रुपये की सब्सिडी मिलेगी. यानि उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को अब गैस सिलेंडर 600 रुपये में मिलेंगे.दिल्ली में उज्ज्वला लाभार्थी फिलहाल 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर के लिये 703 रुपये देते हैं, जबकि इसका बाजार मूल्य 903 रुपये है. केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय के बाद उन्हें सिलेंडर 603 रुपये में मिलेगा. कैबिनेट ने वन देवता के नाम पर तेलंगाना में केंद्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय खोलने को भी मंजूरी दी.

आप सांसद संजय सिंह को ईडी ने क्यों किया गिरफ्तार आरोप?

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में बुधवार (4 अक्टूबर) को गिरफ्तार कर लिया. आप ने इसे राजनीतिक साजिश बताया. श्वष्ठ के सूत्रों ने बताया कि आज (बुधवार, 4 अक्टूर) हुई पूछताछ के दौरान संजय सिंह ने पूछताछ में सहयोग नहीं किया, इसलिए उनकी गिरफ्तारी की गई.आप नेता आतिशी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, बीजेपी वालों का डर ना जाने उन्हें और कितना गिराएगा. चुनाव के पहल से इनके हारने की बौखलाहट साफ दिख रही है. मनीष सिसोदिया और सत्येन्द्र जैन के बाद रेड सरकार ने बुलंदी से जनता की आवाज उठाने वाले संजय सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया. ईडी का एक दफ़्तर हमारे पार्टी कार्यालय में ही क्यों नहीं खोल लेते? लगता है कि क्क

पर झूठे आरोप लगाकर ही इनका गुज़ारा होता है इस बीचें कि आखिर पूरे मामले में आप नेता संजय सिंह का नाम कैसे आया? सीबीआई की चार्जशीट के मुताबिक, दिल्ली शराब नीति मामले में 1 अक्टूबर 2022 को सरकारी गवाह बने दिनेश अरो?ा ने जांच एजेंसी के सामने बताया कि रेस्तरां अनप्लग्ड कोर्टयार्ड में एक पार्टी के दौरान संजय सिंह के जरिए पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया से मुलाकात हुई थी. संजय सिंह के कहने पर मैंने चेक के जरिए कई रेस्टोरेंट के मालिकों से बात की. दिल्ली विधानसभा चुनाव के देखते हुए पार्टी फंड के लिए 82 लाख रुपये जमा किए. ये पैसा मनीष सिसोदिया को दिए गए थे. चार्जशीट में दावा है कि दिनेश अरोड़ा ने यह भी बताया कि सार्थक फ्लेक्स के रिटेल लाइसेंस होल्डर अमित अरोड़ा ने पीतमपुरा स्थित अपनी शराब की दुकान को ओखला इलाके में ट्रांसफर कराने में मदद मांगी. ये मामला आबकारी विभाग के पास लंबित था. दिनेश अरोड़ा के मुताबिक, उसने यह मामला मनीष सिसोदिया के सामने रखा. फिर संजय सिंह के दखल देने के बाद मामला आबकारी विभाग से सुलझ लिया गया. दिनेश अरोड़ा ने अपने बयान में बताया कि उसकी आप नेता मनीष सिसोदिया से 5 से 6 बार बात हुई थी. इसके अलावा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर पर भी संजय सिंह के साथ उनसे (केजरीवाल) से मुलाकात की थी.आरोप है कि शराब व्यापारियों को लाइसेंस देने के लिए कुछ डीलर को फायदा पहुंचाने के लिए लिए कथित तौर पर रिश्वत ली गई थी. ईडी ने अपने भी चार्जशीट में सिंह का नाम शामिल किया था.

शरद पवार बोले- एक दिन देश का नेतृत्व करेंगे राहुल गांधी, लोग गंभीरता से ले रहे हैं

शरद पवार ने इंडिया टुडे कॉनक्लेव में कहा, भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल गांधी को गंभीरता से लिया जा रहा है और वह एक दिन देश को नेतृत्व प्रदान करेंगे. वहीं, उन्होंने एनसीपी के बागियों का जिक्र करते हुए कहा कि जो लोग बीजेपी के साथ गए हैं, उनका एनसीपी से कोई लेना-देना नहीं है और उन्होंने जांच एजेंसियों के डर से पाला बदल लिया है. शरद पवार ने साथ ही कहा कि उनकी पार्टी का बीजेपी के साथ हाथ मिलाने का कोई सवाल नहीं उठता. संजय सिंह की गिरफ्तारी से मजबूत होगा इंडिया गठबंधन-पवारउधर, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी पर एनसीपी चीफ शरद पवार ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी की कार्रवाई से इंडिया गठबंधन और मजबूत होगा. वहीं, दिल्ली की लोकसभा सीटों को लेकर भी शरद पवार ने अपनी राय रखी. पवार ने कहा कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने हाल ही में उनसे कहा था कि आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय राजधानी की सात में से तीन सीटें कांग्रेस को देने के लिए तैयार है. पवार ने साथ ही भरोसा जताया कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस फिर से उभरेगी.

महाराष्ट्र में जीतेंगे लोकसभा 50 प्रतिशत सीटें-पवारपूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने साथ ही दावा किया कि महाविकास अघाड़ी महाराष्ट्र में फिर से सरकार बनाएगी. पवार ने कहा, निश्चित रूप से, हम महाराष्ट्र में सरकार बनाएंगे. हम यह ईमानदारी से महसूस करते हैं. पिछले लोकसभा चुनाव में हमने यहां केवल चार सीटें जीती थी

सीएम शिवराज के गृह जिले में पहुंची कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा, नेताओं ने जनता से किए ये 11 वादे

बीजेपी की जन आशीर्वाद यात्रा के जवाब में कांग्रेस द्वारा निकाली जा रही जन आक्रोश यात्रा का आज से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के जिले में प्रवेश होने जा रहा है. पूर्व मंत्री जीतू पटवारी के नेतृत्व में यह यात्रा सीहोर जिले में प्रवेश कर रही है. यह यात्रा सीहोर जिले में इछवर विधानसभा से प्रवेश करने जा रही है, जबकि दो दिन 6 अक्टूबर को यह यात्रा सीहोर जिला मुख्यालय पहुंचेगी. सीहोर जिले के इछवर विधानसभा में कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा का सुबह 10 बजे प्रवेश हुआ. सुबह 10 बजे क्रिसेंट चौराहा से यात्रा प्रारंभ हुई, जबकि सुबह 10.15 बजे रफीकगंज जोड़, 10.20 बजे फूलमोगरा जोड़, 10.30 बजे गुड़भेला, 10.40 बजे मोगराराम, 10.50 बजे आमाझिर, 10.55 बजे लसूड़िराम, 11 बजे भाऊखेड़ी पहुंचेगी, जहां सभसा का आयोजन हुआ. दोपहर 12 बजे नरसिंहखेड़ा जोड़, 12.10 बजे दुर्गापुरा, 12.15 बजे धामन्दा, 12.30

बजे अमलाहा पहुंचेगी, यहां से आष्ठ के लिए रवाना हुई.

सीहोर जिला मुख्यालय पर बड़ी सभा-पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल ने बताया कि जन आक्रोश यात्रा सुबह 10 बजे सीहोर जिले की इछवर विधानसभा में प्रवेश की. यहां से यह यात्रा आष्ठ रवाना होगी. पूर्व विधायक पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि, कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा आष्ठ के बाद 6 अक्टूबर को सीहोर विधानसभा पहुंचेगी. सुबह 10 बजे यह यात्रा सीहोर विधानसभा में प्रवेश करेगी. नगर में भोपाल नाका से कोतवाली चौराहा, बड़ा बाजार पहुंचेगी, जहां जनसभा का आयोजन किया गया है.

11 हजार किमी का सफर तय कर रही यात्राएं-कांग्रेस द्वारा निकाली जा रही सातों जन आक्रोश यात्राओं की शुरुआत 19 सितंबर से हुई थी. यह यात्राएं प्रदेश भर में 11 हजार किलोमीटर का सफर तय करेंगी. सभी यात्राएं अलग-अलग क्षेत्रों से निकाली जा रही है. यह यात्रा प्रदेश के हर बड़े शहर में जाएगी, जैसे मंदसौर, नीमच, रतलाम, उज्जैन, इंदौर, आगर-मालवा, राजगढ़, सीहोर, शाजापुर, देवास, श्योपुर, मुरैना, भिण्ड, ग्वालियर, दतिया, अशोकनगर, गुना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, पन्ना, दमोह, सागर, विदिशा, रायसेन, भोपाल, सिंगरौली, सीधी, शहडोल, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सतना, रीवा, सीधी, उमरिया, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, रायसेन, हरदा, बैतूल, छिंदवाड़ा, सिवनी, नर्मदापुरम, बुरहानपुर, धार, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, खंडवा जिले की सभी विधानसभाओं को कवर करेगी. इस दौरान जन आक्रोश यात्रा में शामिल कांग्रेस नेता जनता से कमलनाथ द्वारा किए गए

बिहार की जाति जनगणना के आंकड़े से क्यों छिड़ सकती है 50 फीसदी आरक्षण पर बहस?

गांधी जयंती के मौके पर बिहार सरकार ने जातिगत सर्वे के आंकड़े जारी कर दिए हैं. जिसमें 36.01 प्रतिशत अत्यंत पिछड़ा, 27.12 प्रतिशत पिछड़ा, 19.65 अनुसूचित जाति, 15.52 प्रतिशत सामान्य और 1.68 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति है. बिहार की कुल जनसंख्या 13 करोड़ 7 लाख 25 हजार 310 से ज्यादा है. इसमें 81.99 प्रतिशत हिंदू और 17.70 प्रतिशत आबादी मुसलमानों की है.जैसे ही बिहार में जातीय सर्वे के आंकड़े जारी किए गए हैं वैसे ही पूरे देश में घमासान मचा हुआ है. इस सर्वे के सामने आने के बाद राजनीति भी तगड़ी हो रही है. नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में कई नेताओं ने आरक्षण की भी मांगी की. मीटिंग के बाद एआईएमआईएम के विधायक अख्तरुल ईमान ने कहा कि मुख्यमंत्री ने इस पर विचार करने का भरोसा दिया है.

पहले सत्येंद्र जैन, फिर मनीष सिसोदिया और अब संजय सिंह...16 महीने में 3 दिग्गजों की गिरफ्तारी को आप ने बताई साजिश

दिल्ली की शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के परिसरों पर छापेमारी कर उन्हें ईडी ने बुधवार (4 अक्टूबर) को गिरफ्तार कर लिया. इस मामले में पहले से पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया कैद में हैं. इसके अलावा सत्येंद्र जैन स्वास्थ्य आधार पर मिली अंतरिम जमानत पर बाहर है. ऐसे में देखा जाए तो पिछले 16 महीने में जैन, सिसोदिया और अब सिंह की गिरफ्तारी हुई है. इसको आप लगातार साजिश बताते हुए कह रही है कि ये सब राजनीतिक बदले की कार्रवाई के तहत किया जा रहा है. दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, संजय सिंह की गिरफ़्तारी बिलकुल गैर क़ानूनी है. ये मोदी जी की बौखलाहट दर्शाता है. चुनाव तक ये कई और विपक्षी नेताओं को गिरफ़्तार करेंगे.वहीं केजरीवाल सरकार में मंत्री आतिशी ने एक्स पर लिखा, बीजेपी वालों का डर ना जाने उन्हें और कितना गिरायेगा. चुनाव के पहले से इनके हारने की बौखलाहट साफ़ दिख रही है. मनीष जी और सत्येन्द्र जी के बाद रेड सरकार ने बुलंदी से जनता की आवाज उठाने वाले संजय भैया को भी गिरफ़्तार कर लिया. ईडी का एक दफ़्तर हमारे पार्टी कार्यालय में ही क्यों नहीं खोल लेते? लगता है कि क्कपर झूठे आरोप लगाकर ही इनका गुज़ारा होता है.आईए आखिर में ऐसे जानें कि आप के इन तीनों नेताओं पर क्या आरोप है? इन्हें कब

गिरफ्तार किया गया था? संजय सिंह पर क्या आरोप है?ईडी ने चार्जशीट में दावा किया कि दिनेश अरोड़ा ने बताया था कि उसकी मुलाकात सिंह से उसके रेस्तरां अनप्लग्ड कोर्टयार्ड में एक पार्टी के दौरान हुई थी. सिंह ने अरोड़ा से रेस्तरां मालिकों से दिल्ली विधानसभा चुनाव के वास्ते आम आदमी पार्टी के लिए फंड जमा इकट्ठा करने का अनुरोध किया था. दिनेश अरोड़ा ने बताया कि उसने पार्टी के लिए 82 लाख रुपये का चेक दिया था.

मनीष सिसोदिया कब गिरफ्तार हुए-आप नेता मनीष सिसोदिया को दिल्ली शराब नीति मामले में सीबीआई ने इसी साल 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था. आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में सिसोदिया से तिहाड़ जेल में ईडी ने पूछताछ की और उन्हें फिर नौ मार्च को अरेस्ट कर लिया. जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि कि शराब व्यापारियों को लाइसेंस देने के लिए कथित तौर पर रिश्वत ली गई थी.

ईडी के पास कैसे पहुंचा मामला-सीबीआई जांच की सिफारिश के बाद ईडी ने धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया था. बता दें कि शराब नीति 17 नवंबर 2021 को लागू की गई थी, लेकिन इसमें गड़बड़ी के आरोप के बाद इसे 30 जुलाई 2022 को वापस से ले लिया गया.

सत्येंद्र जैन को इस मामले में किया गया था गिरफ्तार-केजरीवाल सरकार में पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को ईडी ने उनसे जुड़ी चार कंपनियों के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग करने के केस में पिछले साल मई में गिरफ्तार किया था जैन को मेडिकल ग्राउंड के आधार पर आठ अक्टूबर तक अंतरिम जमानत मिली हुई है.

चल झांकी में भैरोबाबा प्रथम, कलार बाग का राजा मूर्ति में प्रथम ,श्री गणेश सांस्कृतिक समारोह समिति का प्रतियोगिता परिणाम घोषित

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- श्री गणेश सांस्कृतिक समारोह समिति द्वारा आयोजित दस दिवसीय कार्यक्रम के सभी प्रतियोगिता का परिणाम आज घोषित कर दिए गए है । जानकारी देते हुए समिति अध्यक्ष तेजमल सांखला ने बताया कि गणेश महोत्सव पर आयोजित प्रतियोगिताओ के परिणाम इस प्रकार है । चल झांकी में भैरोबाबा समिति प्रथम, शीतला माता मंदिर, घुरेश्वर बाल उत्सव समिति, कलारबाग का राजा द्वतीय, राधारमण मंदिर, रामबाग का राजा, थीम रोड का राजा व काली माता उत्सव समिति इंद्रा कॉलोनी। पिन्नु महाराज समिति तृतीय स्थान पर रही। अचल झांकी प्रतियोगिता सीनियर में विजयपुरम कॉलोनी उत्सव समिति प्रथम, कंचनपुरी का राजा, जय माँ काली उत्सव समिति द्वतीय, पिन्नू महाराज समिति, सूर्यवंशी मंडल कोठी 27, खे?पति दरबार तृतीय स्थान पर रहे। अचल झांकी जूनियर में बाबा उत्सव समिति जल मंदिर का राजा प्रथम, खे?पति दरबार, गोकुल धाम का राजा समिति, सिद्दी

सुंदर मूर्ति में कलारबाग प्रथम, शीतला माता द्वतीय- गणेश महोत्सव में सुंदर मूर्ति प्रतियोगिता में कलारबाग प्रथम, शीतला माता मंदिर द्वतीय, राधारमण मंदिर, गणेश चौक का राजा, मन्नत का राजा बे?या समाज, भैरोबाबा उत्सव समिति पुरानी शिवपुरी द्वतीय, रामबाग का राजा, भैरोबाबा बाबा समिति धर्मशाला रोड, युवा समिति इंद्रा कॉलोनी का महाराजा, खटीक युवा समाज समिति, जल मंदिर का राजा, सिद्दी विनायक समिति गड्ढा मोहल्ला तृतीय स्थान पर रही जबकि फिजिकल का सम्राट, खे?पति दरवार, यादव मोहल्ला पुरानी शिवपुरी, थीम रोड का राजा, पिन्नु महाराज, इच्छापूर्ण सेवा मंदिर समिति, घुरेश्वर बाल समिति, जय शिव युवा समिति एसपी कोठी के पास, ठकुरपुरा का राजा, माणिक चौक का राजा पुरानी शिवपुरी , काली माता उत्सव समिति, खुडा का राजा को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया जाएगा।

गुप डांस में विनीत प्रथम -ग्रुप डांस प्रतियोगिता में विनीत डांस अनलिमिटेड प्रथम, विनीत डांस , अंजली डांस अनलिमिटेड, एमडीसी ग्रुप दित्तीय, काजल डांस अनलिमिटेड व रुद्र डांस स्टूडियो तृतीय स्थान पर रहे। जूनियर डुएट डांस में शिवाय मनु प्रथम, समृद्धि प्रगति, नक्ष आशी सोनी दित्तीय, मीनू इशिका सेन, अनन्या डिम्पल, सी सेवन ग्रुप तृतीय स्थान पर रहे। अनीता प्रभा, जिया जानवी , रितिका अक्ष को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया जाएगा। जूनियर ग्रुप डांस में मंगल बाल ग्रह को सर्वोच्च, सुखवीर डांस अकेडमी प्रथम, सी -7 डांस ग्रुप , सुरभि मिश्रा ग्रुप दित्तीय , सी सेवन व रुद्र डांस स्टूडियो ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी तरह जूनियर सोलो डांस में अनमोल भार्गव प्रथम, सम्मान गोस्वामी, स्वेता सिंघल, नक्ष गुप्ता, आध्या शर्मा, मोक्षी जैन, मीनू सेन, जीविका शर्मा, आध्याप्रदा सक्सेना सभी दित्तीय, आराध्या तोमर, सिविक दुबे, दिव्या कुशवाह, मिताली शर्मा, साक्षी पचौरी, बॉबी राठौर, आरुषि शर्मा, नन्दिनी लखेरा, छवि राठौर सभी तृतीय, किंजल शर्मा, रवि राठौर, कनक कुशवाह, कनक रजक, आयुषी यादव, वेदिका गुप्ता, तारिसा चौरसिया, मानसी, जया धानुक, भाव्या तिवारी सभी को प्रोत्साहन पुरस्कार मिलेगा। इसी प्रकार सीनियर सोलो डांस में रवि शाक्य प्रथम, प्रियंका जैन, रानी माहौर, आनन्द जाटव, डी रॉक दित्तीय, दिव्या श्रीवास्तव, प्रथा जिंदल, दिव्यांश अग्रवाल, विवेक किंग तृतीय, डी रॉक , अजय रजक, पवन , नमन शर्मा को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया जाएगा। इसी तरह सीनियर डुएट में विनीत शर्मा अनलिमिटेड , मोंटी प्रिया जैन व कोमल वैष्णवी ने प्रथम, दित्तीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। सुंदर विमान में भैरोबाबा का राजा प्रथम-सुंदर विमान प्रतियोगिता में भैरोबाबा का राजा उत्सव समिति पुरानी शिवपुरी प्रथम, मन्नत का राजा बे?या समाज, राधारमण मंदिर, गणेश चौक का राजा, खटीक समाज युवा समिति, काली माता समिति दित्तीय , घुरेश्वर बाल उत्सव समिति, कलार बाग का राजा , सिद्दी विनायक समिति गड्ढा मोहल्ला, जल मंदिर का राजा, खु? का राजा , खे?पति दरवार युवा समिति, भैरोबाबा समिति धर्मशाला रोड, पिन्नु महाराज समिति सभी तृतीय, इच्छा पूर्ण सेवा समिति , थीम रोड का राजा, ठकुर पुरा का राजा, शीतला माता मंदिर, राम बाग का राजा, यादव मोहल्ला पुरानी शिवपुरी, फिजिकल का सम्राट सभी को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया जाएगा। सुंदर पांडाल में नरसिंह मंदिर समिति टेकरी, प्रथम , जय शिव उत्सव समिति सुभाष चौक, बे?या समाज एकता समिति के अध्यक्ष एडवोकेट आशीष श्रीवास्तव, कायस्थ समाज शिवपुरी के अध्यक्ष श्री हरिओम श्रीवास्तव, युवा अध्यक्ष भव्याश श्रीवास्तव, महिला अध्यक्षा श्रीमती संध्या श्रीवास्तव, एवं जिला महिला मीडिया प्रभारी रितु श्रीवास्तव सहित कार्यकारणी एव समिति के सभी सदस्यगण एव समाज के सभी गणमान्य सदस्य उपस्थित हुए, कार्यक्रम का सफल संचालन डा. मुकेश अनुरागी एव श्रीमति हेमलता चौधरी द्वारा किया गया , कार्यक्रम के अंतिम चरण में उपस्थित सभी अथितियो का आभार प्रदर्शन कोषाध्यक्ष अचल श्रीवास्तव, सचिव मुकेश गौड, दिलीप श्रीवास्तव द्वारा किया गया, कार्यक्रम अंत में सभी उपस्थित समाज बंधुओ द्वारा स्वरूचि भोज का आनंद लिया गया !

सूर्यवंशी मंडल कोठी 27, -थीम रोड का राजा , कलार बाग का राजा , फिजिकल का सम्राट सभी को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया जाएगा। ढोल प्रतियोगिता में शाही ढोल प्रथम, संगम ढोल दित्तीय रहे, इसके अलावा अग्रवाल बैंड धर्मशाला रोड, सहगल टैंट हाउस, महाराज डीजे , प्रकाश लाइट, वरुण डिजिटल , समस्त खानपान स्टोल लगाने वाली समिति व मुकेश म्यूजिकल ग्रुप को सम्मानित किया जाएगा।

जन संपर्क के दौरान प्रियंका पैंची जी द्वारा डोर टू डोर जाकर न केवल उपलब्धियां बताई

भारतीय जनता पार्टी की चाचौड़ा विधानसभा से अधिकृत प्रत्याशी प्रियंका पैंची द्वारा आज मतदान क्रमांक 268, मतदान क्रमांक 272,मतदान क्रमांक 273,मतदान क्रमांक 274,मतदान क्रमांक 275 के उकावद,लक्ष्मणपुरा, विशनखेड़ा, माधोपुरा, संग्रामपुरा,शंकरपुरा,हरिजन का पुरा , गुंजारी, दुर्गपुरा, बरखेड़ीराम, साहपुर आदि ग्रामों में जनसंपर्क किया गया । तदोपरांत उकावद में श्री रामबाबू गुर्जर जी के यहां निजी आयोजन में सम्मिलित हुई जन संपर्क के दौरान प्रियंका पैंची जी द्वारा डोर टू डोर जाकर न केवल उपलब्धियां बताई , बल्कि प्रत्येक घर में बैठकर उनसे फीडबैक भी लिया। साथ ही गांव की समस्याओं के समाधान पर भी चर्चाएं की। प्रदेश में पुन- भारतीय जनता पार्टी की सरकार बने इसके लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को गांव गांव लोगों के घरों में जाकर केंद्र की मोदी सरकार व प्रदेश की शिवराज सरकार द्वारा चलाई जा रही सरकारी योजनाओं की जानकारी से अवगत कराने का कार्य करने व ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब पात्र लाभार्थियों को वृद्धा, विधवा पेंशन ,आवास व अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने को कर्म समझकर कार्य करने के लिए ग्रामीणों व कार्यकर्ताओं से अपील भी की द्व ताकि हर गरीब तक सरकारी मदद पहुंच सके। जनसंपर्क के दौरान मधुसुदनगढ़ मंडल अध्यक्ष जगमोहन धाकड़, जिला परिषद सदस्य वीरेंद्र सिंह, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष सत्यपाल सिंह, मोहर सिंह सोंधिया, जनपद सदस्य कमल लाल सोंधिया,खुमानसिंह गुर्जर,पूर्व सरपंच निरंजन प्रजापति, घनश्याम सोनी,दीपक अग्रवाल, हर्वेस साहू, दीपक शर्मा , गजराज पूर्वसरपंच,दिलीप सोंधिया, सुनीत औदिचय, अशोक प्रजापति सहित वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता एवम सदस्य मौजूद रहे।

रिपोर्टर-प्रतीश अग्रवाल
पुष्पांजलि टुडे

कायस्थ समाज शिवपुरी द्वारा शास्त्री जयंती के अवसर पर वृद्धजनों, एव साहित्यकारो को किया गया सम्मानित

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-कायस्थ समाज शिवपुरी एव कायस्थ एकता समिति द्वारा शास्त्री जयंती के अवसर पर शहर के वृंदावन गार्डन में कायस्थ समाज के 80 वर्ष से अधिक उम्र के लगभग 50 से अधिक पुरूष एव महिलाओं एव शिवपुरी शहर के 15 से अधिक कायस्थ साहित्यकारो कवियों, ज्योतिसाचार्यो , तथा गायकों को शॉल ,श्रीफल एव प्रशस्ति पत्र देकर मुख्य अथिति शिवपुरी एस.डी.एम. श्री अनूप श्रीवास्तव द्वारा सम्मानित किया गयाकार्यक्रम के प्रारंभ में शासकीय महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डा.एल.एल.खरे सहित समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर देश के पूर्व प्रधान मंत्री स्व- लालबहादुर शास्त्री जी एव राष्ट्रीय पिता महात्मा गांधी के चित्र पर मल्यार्पण किया गया एव उपस्थिति सभी

चित्रांश बंधुओ द्वारा भगवान चित्रगुप्त की आरती का गायन किया गया, इस अवसर पर बच्चों ने डांस, फैंसी ड्रेस, स्पीच प्रतियोगिता का शानदार प्रदर्शन किया गया जिसमे सभी प्रतियोगियों को गिफ्ट का वितरण भी किया गया, कार्यक्रम में कायस्थ समाज एकता समिति के अध्यक्ष एडवोकेट आशीष श्रीवास्तव, कायस्थ समाज शिवपुरी के अध्यक्ष श्री हरिओम श्रीवास्तव, युवा अध्यक्ष भव्याश श्रीवास्तव, महिला अध्यक्षा श्रीमती संध्या श्रीवास्तव, एवं जिला महिला मीडिया प्रभारी रितु श्रीवास्तव सहित कार्यकारणी एव समिति के सभी सदस्यगण एव समाज के सभी गणमान्य सदस्य उपस्थित हुए, कार्यक्रम का सफल संचालन डा. मुकेश अनुरागी एव श्रीमति हेमलता चौधरी द्वारा किया गया , कार्यक्रम के अंतिम चरण में उपस्थित सभी अथितियो का आभार प्रदर्शन कोषाध्यक्ष अचल श्रीवास्तव, सचिव मुकेश गौड, दिलीप श्रीवास्तव द्वारा किया गया, कार्यक्रम अंत में सभी उपस्थित समाज बंधुओ द्वारा स्वरूचि भोज का आनंद लिया गया !

भारतीय जनता पार्टी की अधिकृत प्रत्याशी प्रियंका पैंची द्वारा आज चाचौड़ा मंडल के बीनागंज नगर में जन संपर्क किया

रिपोर्टर-प्रतीश अग्रवाल
पुष्पांजलि टुडे

मधुसुदनगढ़।द्व जिसमे प्रियंका पैंची द्वारा केंद्र एवम राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं से नगरवासियों को अवगत कराया द्व प्रियंका पैंची ने जनसंपर्क के दौरान नगरवासियों को भारतीय जनता पार्टी के नौ साल पूरे होने और मोदी सरकार के विभिन्न योजनाओं का आम लोगों पर पड़ने वाले सकारात्मक और दूरगामी असर के बारे में बताया द्य भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाई जा रही जनकल्याण की ऐसी कई योजनाएं हैं, जो बेहद कामयाब रही हैं और जनता को उनके दोहरे फायदे मिल रहे हैं द्व देश एवम प्रदेश में मोदी एवम शिवराज सरकार की नीतियों और योजनाओं का दूरगामी दृष्टिकोण रहा है सरकार की जनकल्याण योजनाओं का सीधा प्रभाव क्षेत्र में भी चर्चा का विषय रहा है जब हम नल से जल योजना के बारे में बात करते हैं तो ऐसा पहली बार हुआ जब करोड़ों घरों को पीने का साफ पानी मिला द्व लेकिन उतना ही महत्वपूर्ण यह भी है कि इससे महिलाओं को हर दिन दूर से घर के लिए पीने का पानी लाने का झंझट खत्म हो गया द्य अब महिलाओं के पास बहुत समय बचता है जिसका उपयोग वे बेहतर और रचनात्मक ढंग से कर सकती हैं द्व इसी तरह देश भर में करोड़ों टॉयलेट बनाए गए है इससे न केवल स्वच्छता को बढ़ावा मिला बल्कि गंदगी के कारण होने वाली कई बीमारियों से छुटकारा भी मिला है द्व टॉयलेट बनने से स्कूलों में बच्चों की मौजूदगी बढ़ गई है आज गरीबों के घरों में टॉयलेट बनने का मतलब है कि वे सम्मानजनक जीवन जी सकते हैं और उनका आत्मसम्मान मजबूत हुआ द्व प्रधानमंत्री उज्जवला योजना से साफ और सुरक्षित ईंधन के जरिए न केवल करोड़ों महिलाओं को फायदा पहुंचा बल्कि धुआं मुक्त रसोई से उन्हें बीमार होने से बचाने में मदद मिली है द्व अब उन्हें लकड़ी काटने के लिए जंगल नहीं जाना पड़ता और इस तरह उनका बहुमूल्य समय बचता है जिसका उपयोग वे दूसरे कामों में कर सकती हैं द्य लाडली बहना योजना ने महिला को सशक्त बनाया है अब महिलाओं को अपने घर के खर्चों और जमा पूंजी करने के लिए भारतीय जनता पार्टी की इस योजना से संबल मिला है द्य इस दौरान भारतीय जनता पार्टी जिला उपाध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह (निक्की) राजपूत, विधानसभा संयोजक प्रदीप नाटानी, मंडल अध्यक्ष प्रद्युमन मीना,राजेश खंडेलवाल, श्रीकृष्ण(भोला)सोनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष ज्योतिस्वरूप शर्मा,आशा बाधवानी,सूरज पालीवाल,रामनिवास मीना,आशीषखंडेलवाल,सुरेश सुमन,राघवसोनी,भीमा सोलंकी,श्रीकुमारमीना,भूरा शर्मा,सन्नी जैन,मिथलेश शाक्यवार,विनोद चंदेल,सोनू चंदेल,गोलू नीतेश मंडेलिया,जगदीश अहिरवार,गोलू प्रजापति,घनश्यामचंदेल,सचिन राजपूत आदिवरिष्ठ नेता,कार्यकर्ता,एवम सदस्य मौजूद रहे।

महाराजाधीराज अग्रसेन जी के जन्म उत्सव मनाने हेतु रखी गई मीटिंग

रिपोर्टर -प्रतीश अग्रवाल
पुष्पांजलि टुडे

मधुसुदनगढ़- महाराजाधीराज अग्रेसन जी का जन्म उत्सव मनाने हेतु स्थानीय आनंद गार्डन में अग्रवाल समाज की मीटिंग रखी गई। जिसमें महाराजा अग्रसेन जन्मोत्सव मनाने हेतु दो दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा बनी साथ ही मीटिंग में अग्रवाल नवयुवक मण्डल की नवीन कार्य समिती का गठन हुआ जिसमें सर्वसम्मति से वीरेंद्र अग्रवाल को अध्यक्ष चुना गया इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ जन एवं समाज बंधुओ द्वार बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

गीता हमें अहिंसक बनना सिखाती है , न कि हिंसक नहीं ब्रह्माकुमारी दीपा दीदी जी

दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता
पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर । गोल्डन वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर में आज दूसरे दिन राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी दीपा दीदी

के मुखारविंद ने से आज हर एक मानव अपने वास्तविक स्वरूप को, स्वधर्म को भूल गया है ? अपने को देह समझ अपने आंतरिक शक्तियों का हनन कर दिया जबकि वास्तविक रूप में हम सभी देह नहीं , एक चेतन शक्ति आत्मा है । कहा जाता है इस दुनिया में आकर आप कितना भी धन कमा लो लेकिन वह धन आपके साथ नहीं जाएगा , इस दुनिया से आपके साथ सिर्फ आपके किए गए पुण्य ही जायेंगे। इसलिए भगवान को याद करते जाइए और पुण्य कर्मों की कमाई जमा करते जाइए। संसार में भगवान से प्रेम करने वाले 5त्न लोग ही होंगे ,जो सच्चे दिल से ईश्वर से प्रीत करते हैं । वही धर्म पक्ष का वाचक है और वही फिर पांडव हैं ।पांच पांडव हुए जिसमें युधिस्टर -आध्यात्मिक व्यक्तित्व वाला , युद्ध जैसी परिस्थिति में भी स्तर बुद्धि सद्बुद्धि, संतुलित बुद्धि रहे । उसको ही युधिस्टर कहेंगे । दूसरे हैं भीम -आत्म शक्ति से संपन्न, जिसके पास आत्मबल है, इसके सामने कोई भी परिस्थिति ठहर नहीं सकती । तीसरा है अर्जुन- जिसमे अर्जन करने का भाव है , भगवान ने जो कहा उसने हांजी करके उसे स्वीकार किया ,फिर उसे कर्म में लाया। चौथा नकुल- जो नियमों में चलने वाला, सिद्धांतवादी व्यक्ति । सहदेव -जो हर कार्य में अपना सहयोग देता हो- यह पांच पांडव ।। अगर हम चाहे तो पांडवों के गुण धारण कर धर्म पक्ष के तो बन ही सकते हैं। ऐसे ही कौरव थे जो अधर्म पक्ष का वाचक है ,जो परमात्मा के विपरीत बुद्धि हैं ।कौरवों के नाम की शुरुआत ही दो उपसर्ग से होती है जैसे -दुर्योधन ,जो धन को बुरे कार्य में लगाने के लिए तैयार है ,उसका दुरुपयोग करता है । दुशासन- जिसके जीवन में अनुशासन नाम की चीज ही ना हो। दुर्मुख , दुष्कर्म , दुशाला इनके मन के अंदर कहीं ना कहीं दुष्टता का भाव है जो दूसरों को दुख देना चाहते हैं वही अधर्म पक्ष और कौरव पक्ष का वाचक हैं । ऐसे समय पर मानव जाति को इस संघर्ष में गीता ज्ञान की अत्यधिक आवश्यकता है । इसके लिए ही सभी को अपने को चेतन शक्ति आत्मा समझना जो इस शरीर रूपी रथ में बैठकर रथी बन हर कार्य कर रही है, जैसे गाड़ी बिना पेट्रोल के नहीं चल सकती ,मोबाइल बिना बैटरी के नहीं चल सकता ,ऐसे हमारा शरीर बिना आत्मा के कोई कार्य नहीं कर सकता ।कार्यक्रम में कंपनी मैनेजर ब्रजकिशोर स्टाफ नर्स चंद्रप्रभा चीफ इंजीनियर रामदास राठौर सतनाम भाई महेश भाई नीलेश भाई बैंक मैनेजर यादराम कुशवाहा उपस्थित थे

रमेश लचेटा (चौधरी) ने शिक्षा के क्षेत्र में दिए 70000/-रुपये

पुष्पाजंली टुडे/ नारायणलाल सेंणचा

पुणे/ सूर्या इलेक्ट्रॉनिक्स के संस्थापक रमेश लचेटा सीरवी ने 21 सितंबर 2023 को श्री आईजी विद्या पीठ जवाली संस्थान खाते में 70 हजार ऑनलाइन जमा करवाए। समाज की होनहार एक प्रतिभा को पूरे साल की होस्टल फीस,स्कूल पीस व नॉट बुक ओर बोर्ड परीक्षा सहित जमा किए।सूर्या इलेक्ट्रॉनिकस के संस्थापक रमेश चौधरी ने शिक्षा के क्षेत्रों में समाज की बालक,बालिकाएं को आगे ब?ना हेतु राष्ट्रीय सीरवी किसान सेवा समिति के माध्यम से 70 हजार रुपये श्री आईजी विद्या पीठ जवाली संस्थान के खाते में ऑनलाइन जमा करवाए।इसके पहले भी आपने समाज जनहित ओर अन्य विषयों में अनगिनत दानवीरता के रूप में नेक काम और पुण्य के किए और आपने एक विधालय भवन बनाकर सरकार को सप्रेम भेंट किया,आपकी छात्र हित, शिक्षा व समग्र सामाजिक उत्थान की भावना और जिस तरह से बालिका शिक्षा उन्नयन में योगदान कर रहे हो,वह बहुत ही अद्वितीय,अकल्पनीय और अविश्वसनीय है। यदि आप जैसी विराट सोच और विशाल सहृदयता समाज के धनी वर्ग में आ जाय तो समाज तेज कदमो से आगे बढ़ सकता है।आप और सपरिवर जनो को राष्ट्रीय सीरवी किसान सेवा समिति परिवार परिवार/सीरवी समाज डॉट कॉम व अखिल भारतीय सीरवी समाज की तरफ से बहुत-बहुत साधुवाद-धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। रमेश चौधरी ने कहा कि हमें ऐसे होनहार बच्चों का सदैव मनोबल बढ़ाने और पारितोषिक देने से बच्चों में एक नई ऊर्जा पैदा होती हैं व जरूर यही बच्चे आने वाले समय मे समाज को गौरवांवित करेंगे।। हर सम्भव शिक्षा के क्षेत्र में हमारी ओर से सहयोग और साथ रहेगा।

सच्चे मन से प्रार्थना करने से मन की इच्छा पूर्ण होती है = मुनि राजपद्मसागरजी

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू । श्रीशांतिनाथ श्वेतांबर मूर्ति पूजा जैन संघ में श्रीरामपूरम बेंगलोर मध्ये परमात्मा भक्ति का भव्य अनुष्ठान नवान्हिका महोत्सव मुनि राजपद्मसागरजी म. सा मुनि श्रमणपद्मसागरजी म.सा की पावन निश्रा मे महोत्सव हो रहा है।आज चातुमार्स में संतिकरं तप हुआ। इस निमित्त आज संतिकरं महापूजन हुआ महाराज साहबने बताया कि संतिकरं स्तोत्र बहुत प्रभावशाली स्तोत्र है, इस स्तोत्र के रचचिता महान शासन प्रभावक सूरीमंत्र समाधारक आचार्य श्रीमुनिसुंदरसूरी जी म.सा है राजस्थान मे देलवा? मे मारी-मरकी फैली थी हर रोज लोगभ मर रहे थे ,गाव के लोग सभी चिंतित हुए और आचार्य भगवंत के पास इस रोग के निवारण हेतु पूछने गये, तब आचार्य भगवंतने इम संतिकर स्तोत्र के द्वारा पानी मंत्रित किया और पूरे गांव एवं नगर मे पूरे श्रीसंघ में उस पानी का छींटकाव किया, और सभी रोग से पीडीत थे। उन सभी का रोग दुर हुआ सभी श्रीसंघ के श्रावक एवं श्राविकाओं ने महापूजन मे लाभ लिया

श्री आईजी फिल्म को राजस्थानी सिने अवार्ड्स समारोह में मिलें तीन अवार्ड्स

पुष्पाजंली टुडे /नारायणलाल सेंणचा

जयपुर। श्री आईजी फिल्म स्टुडियो के बेनर तले राजस्थानी भाषा में बनी बहुचचिंत राजस्थानी फिल्म श्री आईजी को राजस्थानी सिने अवार्ड्स 2023 द्वारा जयपुर स्थित भारतम ऑडिटोरियम में आयोजित राजस्थानी सिने अवार्ड्स द्वारा तीन अवार्ड प्राप्त किया है। बेस्ट मेकअप आर्टिस्ट सर्वश्रेष्ठ नवोदित कलाकार एवं बेस्ट फीमेल सिंगर्स के रूप में तीनों अवार्ड मिले। इस कार्यक्रम में श्री आईजी फिल्म के डायरेक्टर हेमंत सीरवी, फिल्म भंवरलाल चोयल, करणसिंह, नैहा, अश्विनी, मोनिका भारद्वाज किशनसिंह, दिलीप वैष्णव, प्रविण गोयल उपस्थित रहे

कथा में तो कई लोग बैठते हैं परंतु कथा जब लाभदायक होगी, जब हम कथा में नहीं कथा हमारे अंदर बैठेगी -किशोरी वैष्णवी गर्ग

श्रीकृष्ण रुक्मणी विवाह की अमृत वर्षा का श्रद्धालुओं को रसपान

पुष्पांजली टुडे

दमोह। कथा व्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग द्वारा पुराने डीआईओ ऑफिस में श्रीकृष्ण और रुकमणी के विवाह की अमृत वर्षा का श्रद्धालुओं को रसपान कराया जा रहा है । श्रीमद् भागवत कथा के दौरान बीच बीच में सुंदर-सुंदर झांकियां प्रस्तुत कीं गयी। छठे दिन कथा व्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग जी ने भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य महारास लीला का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान की महारास लीला इतनी दिव्य है कि स्वयं भोलेनाथ उनके बाल रूप के दर्शन करने के लिए गोपी

बनकर गोकुल पहुंच गए। मथुरा गमन प्रसंग में अक्रूर जी भगवान को लेने आए। जब भगवान श्रीकृष्ण मथुरा जाने लगे समस्त ब्रज की गोपियां भगवान कृष्ण के रथ के आगे खड़ी हो गईं। कहने लगी हे कन्हैया जब आपको हमें छोड़कर ही जाना था तो हम से प्रेम क्यों किया। गोपी उद्धव संवाद, श्री कृष्ण एवं रुकमणी विवाह उत्सव पर मनोहर झांकी प्रस्तुत की गई। इस मौके पर भजन आज मेरे श्याम की शादी है। मेरे घर श्याम की शादी का भजन प्रस्तुत किया। और भगवान श्री कृष्ण रुकमणी जी के समस्त श्रद्धालु भक्तजनों और धूमधाम से संपन्न भगवान श्री कृष्ण और रुक्मणी जी के पैर धोकर पैर पकड़ कर पूजा अर्चना करते हुए दान भेंट चढ़ा कर श्री कृष्ण भगवान की मंगला आरती गाकर विवाह संपन्न कराया। गुरुवार को श्रीमद् भागवत कथा का सातवां दिन कृष्ण सुदामा चरित्र होगा। मुख्य यजमान श्रीमती द्रोपती सिंह ठाकुर पुत्र महेंद्र प्रताप सिंह ठाकुर आशीष सिंह ठाकुर निवासी बगीचा दमोह ने सभी भक्तजनों से कथा श्रवण करने का आग्रह किया है।

मतदाता सूची में पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य किया गया- रोल आर्ब्जवर एवं कमिश्नर सागर संभाग डॉ वीरेन्द्र सिंह रावत

पुष्पांजली टुडे

दमोह। बुधवार को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है और ईपिक कार्ड निर्वाचन दिवस के पहले वितरण करा दिये जायेंगे, यदि और कोई समस्या है तो बतायें। मतदाता सूची में पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य किया गया है, मतदाताओं के आधार कार्ड को लिंक किया गया है इसलिए डुप्लीकेट की संभावना कम है। इस आशय के विचार रोल आर्ब्जवर एवं कमिश्नर सागर संभाग सागर डॉ वीरेन्द्र सिंह रावत ने कलेक्टर कार्यालय में आयोजित फोटो निर्वाचक नामावली का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 का अंतिम प्रकाशन दौरान राष्ट्रीयकृत पार्टीयों के पदाधिकारियों के समक्ष व्यक्त किये। इस दौरान फोटो निर्वाचक नामावली के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 के अंतिम प्रकाशन तिथि 04 अक्टूबर 2023 की मतदाता सूची (फोटो सहित) एवं सी.डी.(फोटो रहित) प्रदाय की गई। इस मौके पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल, सीईओ जिला पंचायत एवं नोडल अधिकारी स्वीप अर्पित वर्मा, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मीना मसराम, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। कलेक्टर अग्रवाल ने कहा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 को दृष्टिगत् रखते हुए, फोटो निर्वाचक नामावली का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 का अंतिम प्रकाशन किया गया। दमोह जिले की 04 विधानसभा क्षेत्रों में 1168 मतदान केन्द्र है, जिनमें कुल मतदाताओं की संख्या 9,68,960 है। दमोह जिले का ई.पी.रेशो 66.80 है जो बहुत अच्छा है और जेण्डर रेशो 925 है। विगत निर्वाचन की तुलना में 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग वाले मतदाताओं की संख्या घटी है और पीडब्ल्यूडी मतदाताओं की संख्या 5,165 है कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अग्रवाल के द्वारा एस.एस.आर. 2023 के संबंध में किये गये गये कार्यो के अनुसार बताया गया कि 26,733 मतदाताओं को जोड़ा गया है, जिसमें 18-19 आयु वर्ग वाले मतदाताओं की संख्या 10,401 एवं 20-29 आयु वर्ग वाले मतदाताओं की संख्या 13,282 है, जिसमें 14,989 महिला मतदाता है। इसी प्रकार मतदाता सूची से 5,560 मतदाताओं की मृत्यु, 1227 रिपीट एवं 5120 का स्थानांतरण इस प्रकार कुल 11797 मतदाताओं को विलोपन किया गया है। मतदाता सूची में 54,619 मतदाताओं के सरनेम में सुधार किया गया है। 639 मतदाताओं के निवास स्थान में सुधार किया गया है। इस दौरान सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को मतदाता सूची का सेट प्रदाय किया गया, तत्पश्चात बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों का आभार प्रदर्शन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल द्वारा किया गया।

प्रायवेट स्कूल एसोसिएशन मप्र के आह्वान पर प्रदेशभर में निजी स्कूल संचालको की बैठक आहुत की गई

खरगोन। इसमें पत्रकारों से चर्चा में निजी स्कूल संचालन में वर्तमान दौर में आ रही समस्याओं और सरकार द्वारा किए जा रहे भेदभावपूर्ण रवैये को लेकर चर्चा की गई। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रदेश सचिव डॉ.लवेश राठौर, जिला अध्यक्ष उज्ज्वल अत्रे ने बताया कि शासन के तय नियमों के अनुसार स्कूलों का संचालन कर बेहतर शिक्षा देकर प्रदेश ही नही देश के भविष्य को तैयार करने का काम कर रहे है, बावजूद इसके आए दिन निजी

स्कूलों पर मनमाने नियम थोपे जा रहे है, हमारी मांग है कि. प्राईवेट स्कूलों को प्रतिवर्ष मान्यता लेना पड़ता है, अतः कक्षा पहली से बारहवी तक स्थायी मान्यता प्रदान करने का कष्ट करें तथा कक्षा पहली से आठवी की मान्यता में एफ.डी.आर की अनिवार्यता समाप्त की जाये क्योंकि इसे पूर्व में भी समाप्त कर दी गई थी। इसके अलावा निजी स्कूल के बच्चो को भी ई बाइक दी जाय एवं नीट में प्रतिशत आरक्षण दिया जाय। रूपेश ठक्कर संजय जोशी धीरज सिंह, जयंत गुप्ता जगदीश अस्त्रादे, मनदीप भाटिया, जयंत ठक्कर, मयंक पांडे, मुकेश दुबे

तीन सूत्री मांगों के लिए जैतवारा व्यापारी दिया मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन

राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना जिले के जैतवारा में तीन सूत्री मांगों को लेकर व्यापारियों ने बाजार बंद कर धरना प्रदर्शन दिया एवं जुलूस निकाला व्यापारियों ने जैतवारा में बायपास रोड का निर्माण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने एवं जैतवारा को पूर्ण तहसील का दर्जा देने की मांग की जैतवारा के सभी व्यापरी ने ज्ञापन के साथ-साथ चेतावनी भी दी है कि अगर हमारी मांगे जल्द पूरी नहीं हुई तो आगामी विधानसभा चुनाव का बहिष्कार किया जाएगा जैतवारा बंद के दौरान तहसीलदार जैतवारा परमानंद तिवारी एवं जैतवारा थाना से यस आई विजय सिंह पुलिस बल के साथ लगातार मुस्तैद रहेव्यापारियों के साथ वरिष्ठ समाजसेवी संजय शुक्ला सुभाष शर्मा डोली बृजेश प्यासी सहित काफी संख्या में व्यापारी एवं सभी पार्टी के नेता उपस्थित रहेजैतवारा के वरिष्ठ समाजसेवी संजय शुक्ला ने कहा कि मैं पहले जैतवारा का निवासी हूं इसके बाद भाजपा का कार्य करता जैतवारा के विकास के लिए विकास के लिए मैं पूर्ण समर्थन करता हूं एवं व्यापारियों के साथ हर कदम में साथ रहूंगापूर्व व्यापारी संघ अध्यक्ष बृजेश प्यासी ने व्यापारियों का पूरा समर्थन किया और कहा कि कोई भी पार्टी हो या किसी भी पार्टी के नेता हूं जैतवारा के विकास के लिए सभी पार्टियों का राजनीतिक छोड़कर विकास के लिए सहयोग करना चाहिएसुभाष शर्मा डोली ने कहा कि जैतवारा मेरा गांव एवं क्षेत्र है जैतवारा के विकास के लिए हरदम में व्यापारियों के साथ कम से कदम मिलाकर चलूंगा

मतदाता दस्तक अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ सम्मानित

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तारतम्य में मतदाता सूची के द्वितीय संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान मतदाता दस्तक अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बूथ लेवल अधिकारियों को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने सम्मानित किया।कलेक्टर ने बीएलओ शिवम चतुर्वेदी, अखिलेश पाण्डेय, प्रमोद द्विवेदी, वंशलाल सिंह, रामबहोर रैदास तथा अमृत पाल पटेल को उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले भी उपस्थित रहे।

शहडोल कमिश्नर राजीव शर्मा अब भिण्ड में करेंगे सेवा कार्य

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । शहडोल संभाग के कमिश्नर राजीव शर्मा ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए एक माह पूर्व आवेदन दे दिया है। वह अब भिण्ड जिले में सेवा कार्यों का संकल्प लेकर 6 अक्टूबर को भिंड पधार रहे हैं। इस अवसर पर नगर वासियों द्वारा उनका भव्य स्वागत तथा नागरिक अभिनंदन किया जाएगा।

श्री राजीव शर्मा नागरिक अभिनंदन समिति ने भिंड जिले के सभी नागरिकों से अपनी माटी के सपूत का दिल खोल कर स्वागत करने की अपील की है।

श्री शर्मा के बाबा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। तथा आजादी के उपरांत कर्मुनिस्ट आंदोलन से जुड़ गए कामरेड बाबा जनकराम अपने निजी प्रयासों से एक संपादक के रूप में अखबार भी निकालते थे। श्री राजीव शर्मा के पिता रामनारायण शर्मा ने भी शासकीय सेवा छोड़कर 1967 में सार्वजनिक विद्यालय की स्थापना की थी। निर्धन और कमजोर वर्ग के सहायता हेतु संचालित मांटेसरी पद्धति का यह विद्यालय अपने आप में बहुत अनूठा था। गुन्देमास्टर की कोठी में इसी सार्वजनिक मांटेसरी विद्यालय में राजीव की प्रारंभिक शिक्षा शिक्षा दीक्षा हुई थी।गौरी किनारे किरण निवास में जन्मे राजीव बचपन से ही योगाश्रम से जुड़ गए थे जहाँ उन्होंने योग, प्राणायाम, ध्यान सीखा और गौरी सरोवर में तैराकी भी सीखी।1975 में बाबा और 1977 में पिता की असमय मृत्यु ने परिवार को दुख के भँवर में फँसा दिया। तब चाचा श्री शिवचरण उपाध्याय ने विद्यालय और परिवार की जिम्मेदारी सँभाली। काटनजीन स्कूल से कक्षा 8 पास कर राजीव शासकीय बहु.उ.मा. विद्यालय क्रमांक 1 में गए, तथा स्काउट और एनसीसी के अलावा साहित्यक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाषण, वाद विवाद, अभिनय तथा काव्य पाठ में विजेता बने।ततपश्चात एमजेएस कॉलेज से इतिहास में एमए किया, छात्र संघ का चुनाव जीता। दैनिक

उदगार, साप्ताहिक वनखंडेश्वर, गौरी सरोवर आदि में पत्रकारिता की। 1978 में तरुण कला संगम की स्थापना की। एनएसएस भिण्ड और मप्र का राष्ट्रीय स्तर तक प्रतिनिधित्व किया। 21 वर्ष की आयु में प्रथम प्रयास में ही मप्र लोक सेवा आयोग की परीक्षा टॉप कर प्रशासनिक सेवा में चले गए।शहडोल संभाग में आदिवासियों के बीच फुटबॉल को घर घर तक पहुंचाया जिसकी चर्चा प्रधानमंत्री मोदी अपने मन की बात में कर चुके हैं।

डिप्टी कलेक्टर से कमिश्नर पद तक की यात्रा में श्री शर्मा ने अपनी प्रशासनिक दक्षता के कई उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। मंडला जिले में हर टोला मजरे को मुख्य सड़क से जोड़ने की बात हो या नहर में जलाभिषेक योजना की बाल हो, शहडोल में कुओं को रिचार्ज कर भूजल स्तर को ऊपर उठने की बात हो या शाजापुर की सतत प्रतिक किसानों को समृद्ध बनाने की बात हो, श्री शर्मा ने जहां-जहां भी यह प्रशासनिक दक्षता से आम जनता के जीवन स्तर को ऊपर उठाया है।

संक्षेप में श्री शर्मा की उपलब्धियां निम्नलिखित है।

1-वेस्ट एसडीएम अवार्ड विनर
2- वेस्ट सीईओ जेपी इंविटिड इन मंसूरी एकेडमी 2006
3- वर्ल्ड पॉवर्टी कांफ्रेंस 2006 में इनके काम पर फिल्म दिखाई गई।
4- थाई सरकार ने रॉयल फेलोशिप दी 2006
5-यूएसए की साइराक्यूज यूनिवर्सिटी से अंतरराष्ट्रीय कोर्स 2018
6- दक्षिण कोरिया के केडीआई से प्रशिक्षित 2015
7- अंतर्राष्ट्रीय वैली ऑफ बुक्स अवार्ड से सम्मानित
8- एक दर्जन से अधिक पुस्तकों के लेखक जिनमें विद्रोही सन्यासी की चर्चा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं है मराठी, बांग्ला, अंग्रेजी एवं उर्दू में अनुवाद
9- फुटबॉल क्रांति, जल क्रांति के जनक अपने गौरी किनारा, वानखडेश्वर मार्ग स्थित पैतृक निवास को छात्रों के हित में निशुल्क वातानुकूलित सारी में परिवर्तित किया इस दौरान 7 दिन भिंड में रहे और भिंड के वर्तमान हालात देखकर यह चिंतन किया कि भिण्ड विकास में पीछे क्यों? इस पीड़ा से द्रवित होकर अब उन्होंने कमिश्नर पद से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर अपनी जन्मभूमि को ही कर्मभूमि बनाने का निर्णय किया है, जिससे भिण्ड जिला को विकास मुख्यधारा में शामिल किया जा सके।

संपादकीय

अहिंसा परमो धर्म का मंत्र

सम्पूर्ण विश्व में शांति स्थापित करने और अहिंसा का मार्ग अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित करने के उद्देश्य से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म दिवस 2 अक्तूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। हमारे देश में इसे गांधी जयंती के नाम से भी जाना जाता है। मोहनदास करमचंद गांधी को भारत के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी और अहिंसा के पुजारी के रूप में मान्यता प्राप्त है। मान्यता है कि गांधीजी का दर्शन, सत्य व अहिंसा श्रीमद्भगवद्गीता, हिन्दू व जैन दर्शन से प्रभावित है। अहिंसा के पुजारी गांधी सदैव ही सभाओं में अहिंसा के संबंध में प्रचलित एक श्लोक को पढ़ा करते थे–अहिंसा परमो धर्मः धर्म हिंसा तथैव चरू। इतिहासकारों के अनुसार मोहनदास करमचंद गांधी अपनी सभाओं में इस श्लोक का अहिंसा परमो धर्मः वाला पहला भाग ही पढ़ते थे। विभिन्न संप्रदायों के लोगों में शांति–सद्भाव हमेशा कायम रहे इसीलिए उन्होंने अहिंसा के एक पक्ष अहिंसा परमो धर्मः को ही अपनी शिक्षा का अंग बनाया। अहिंसा की नीति के माध्यम से विश्व भर में शांति के संदेश को बढ़ावा देने में गांधी जी के योगदान को सराहने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में 15 जून 2007 को दो अक्तूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया गया। दरअसल मनुष्य जब अन्य प्राणियों को कष्ट देने के लिए संनद्ध होता है, तो उस वृत्ति का ही नाम हिंसा है। आसुरी अर्थात हिंसात्मक वृत्तियां व्यक्ति को विविध कष्टों से दुखित करने के साथ ही अध्यात्म– प्रसाद से भी वंचित रखती हैं। अन्याय–अनीति से स्वार्थवश किसी की हिंसा नहीं करने वाले ही धर्मात्मा,शक्तिशाली होकर निर्भयता से विजय पाते हैं। ऋग्वेद में प्रार्थना करते हुए कहा गया है कि हे वरुण ! यदि हमने हमें प्यार करने वाले व्यक्ति के प्रति कोई अपराध किया हो, अपने मित्रों, साथियों, पड़ोसियों के प्रति कोई गलती की हो अथवा किसी अज्ञात व्यक्ति के प्रत्ति कोई अपराध किया हो, तो हमारे अपराधों को क्षमा करो। मनुष्य का यह कर्तव्य है कि वह एक–दूसरे की रक्षा करें। असल में हिंसा जिसके प्रति की जाती है, उसको हिंसा से दुःख व पीड़ा होती है। यदि हम चाहते हैं कि कोई हमारे प्रति हिंसा का व्यवहार न करे, तो हमें भी दूसरों के प्रति हिंसा का त्याग करना होगा। दूसरों के प्रति अपने मन व हृदय में प्रेम व स्नेह का भाव उत्पन्न करने से ही हिंसा दूर हो सकती है। इससे हमारे मन व हृदय में शान्ति उत्पन्न होगी। उपाय यह है कि हम स्वयं को अहिंसक स्वभाव व भावना वाला बनाएं। लेकिन अहिंसा का यह अर्थ कदापि नहीं होता कि कोई हमारे प्रति हिंसा का व्यवहार करे, और हम मौन होकर उसे सहन करें। श्रीमद्भगवत गीता में श्रीकृष्ण ने भी दुष्टता करने वाले मनुष्य की दुष्टता को कुचल देने के लिए कहा है दृ विनाशाय च दुष्टकृतामद्। ऋग्वेद एवं यजुर्वेद में प्रार्थना करते हुए कहा गया है कि– हे सविता देव ! हमारे संपूर्ण दुर्गुण दुर्व्यसन और दुखों को दूर कर दीजिए– ओम विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। द्वेष की भावना ही सब प्रकार की हिंसा की मूल है, इनके विनष्ट हुए बिना व्यक्ति आगे बढ़ नहीं सकता। हिंसा से पृथक रहने की अवस्था हिंसा के दुष्परिणामों को भली–भांति जान लेने पर ही आती है।

जयशंकर का सख्त संदेश

एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बिना किसी लाग लपेट के कनाडा मुद्दे पर भारत का पक्ष रखा और उन्होंने कनाडा को आतंकवाद और तस्करी का जहरीला गठजोड़ बताते हुए यह भी कहा कि यह गठजोड़ अमेरिकियों के लिए बहुत अलग दिखता है।

वर्ष 2023 तमाम चुनौतियों के बावजूद भारत और अमेरिका संबंधों के लिए काफी बेहतर रहा। वर्ष 2022 में भारत और अमेरिका रणनीतिक रूप से एक–दूसरे के निकट आए, जबकि इस वर्ष दोनों देशों की नजदीकियां बढ़ीं। भारत में आयोजित जी–20 सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में काफी अच्छी बांडिंग दिखाई दी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर अमेरिका दौरे पर हैं। उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिबन से बातचीत की। इस बातचीत के दौरान कई क्षेत्रों में सहयोग और विस्तार पर बातचीत हुई। अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के बीच कनाडा और भारत के मध्य तनाव की बात भी उठी। विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने बिना किसी लाग लपेट के कनाडा मुद्दे पर भारत का पक्ष रखा और उन्होंने कनाडा को आतंकवाद और तस्करी का जहरीला गठजोड़ बताते हुए यह भी कहा कि यह गठजोड़ अमेरिकियों के लिए बहुत अलग दिखता है। यद्यपि जयशंकर और ब्लिंकन की बातचीत के बाद जारी बयान में भारत–कनाडा तनाव का जिक्र नहीं किया गया, लेकिन अमेरिका केद्द ध्विदेश मंत्री ब्लिंकन ने इतना जरूर कहा कि अमेरिका चाहता है कि दोनों देश आपस में मिलकर तनाव खत्म करें और भारत कनाडाई जांच में सहयोग करे। कनाडा अमेरिका का पड़ोसी देश है और दोनों के संबंध काफी मजबूत हैं। इसके बावजूद विदेश मंत्री

एस. जयशंकर ने दो टूक शब्दों में कनाडा और अमेरिका को आइना दिखा द्दिया। भारत–अमेरिका के संबंधों में आ रही प्रगाढ़ता के बावजूद भारत को यह देखना है कि उसके हित कैसे सुरक्षित रहते हैं। अमेरिका के बारे में मशहूर है कि वह खुद को शेष दुनिया से सर्वश्रेष्ठ मानता है और उसके लिए अपने हित सर्वोपरि रहते हैं। अमेरिका के दोहरे चरित्र से भारत पूरी तरह से वाकिफ है। कई बार उसने भारतीय कंधे पर बंदूक रखकर चीन और रूस के खिलाफ अपने हित साधना चाहा लेकिन भारत ने सतर्क रहकर रणनीति अपनाई। विदेश मंत्री ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी क्या है? इसके लिए हमें दूसरों से सीखने की जरूरत नहीं। आतंकवाद, उग्रवाद और हिंसा के प्रति कनाडा की उदारता एक समस्या है। हम एक तंत्र हैं। हमें नहीं लगता कि बोलने की आजादी हिंसा भड़काने तक फैली हुई है। हमारे लिए यह आजादी दुरुपयोग है, आजादी की रक्षा नहीं। उन्होंने पश्चिम को लेकर भारत के रुख के बारे में बारीक फर्क भी समझाया। भारत गैर पश्चिमी है। लेकिन पश्चिम विरोधी नहीं। जिस दुविधा में आज हम रह रहे हैं वह मुख्य रूप से पश्चिमी नजरिये से बनी है। इस नजरिये को बदलना होगा। एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से ही नहीं बल्कि अमेरिका की धरती पर खड़े होकर भारत की दृढ़ता का परिचय दिया। उनका स्पष्ट संदेश था कि वे दिन गए जब कुछ देश दुनिया पर अपना एजैंडा थोपते थे। कनाडा का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि वह आतंकवाद के खिलाफ अपना राजनीतिक फायदा देख रहा है। उन्होंने यह भी साफ किया कि भारत और रूस की दोस्ती बनी रहेगी। अमेरिका और उसके मित्र देश भारत पर लगातार दबाव बनाए रहते हैं कि वह रूस से अपने करीबी संबंधों को खत्म करे। भारत और रूस के संबंध काफी गहरे हैं और यूक्रेन युद्ध की वजह से वह अपने संबंध नहीं तोड़ सकता। हैरानी की बात तो यह भी है कि खुद पश्चिमी देश किसी न किसी तरह रूस से संबंध बनाए रखे हुए हैं। भारत के कड़े रुख के चलते ही कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का नरम रुख सामने आ रहा है। जस्टिन ट्रूडो ने भारत को बड़ी अर्थव्यवस्था बताते हुए भारत से मिलकर काम करने की बात कही है। कनाडा का दोहरा चरित्र सामने आ चुका है। इस्लामी आतंकवाद पर अमेरिका कनाडा–भारत के रुख से सहमत है। तो फिर कनाडा खालिस्ताध्नी समर्थकों की कारगुजारियों को आतंकवाद क्यों नहीं मानता। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर क्यों सिख अलगाववाद के खतरों के बारे में भारत की चेतावनियों ने पश्चिमी सरकारों को उत्साहित नहीं किया है। इसमें सबसे बड़ा काम है कि इस्लामी आतंकवाद के विपरीत खालिस्तान शायद ही कभी पश्चिम के लिए सीधा खतरा पैदा करता है। इसकी हिंसा मुख्य रूप से भारत को लक्षित करती है। हालांकि, इनके समर्थकों ने पश्चिम में भारतीय राजनयिकों को धमकी भी दी है और 1985 में खालिस्तानी आतंकवादियों ने मॉन्ट्रियल से उड़ान भरने वाले एयर इंडिया जेट को उड़ा दिया था, जिसमें सवार सभी लोग मारे गए थे, इनमें से अधिकांश कनाडाई थे। दुघनिया इस बात से अनजान है कि खालिस्तानी आतंकवादी कितना गम्भीर खतरा पैदा कर सकते हैं, जबकि भारत 1980 ओर 1990 के दशक में खालिस्तानी आतंकवाद को झेल चुका है। बेहतर यही होगा कि कनाडा आतकंवाद को संरक्षण देना बंद करे और भारतीय हितों की ओर ध्यान दे अन्यथा दोनों देशों में तनाव बरकरार रहेगा। जिसका नुक्सान दोनों देशों को भुगतना होगा। विदेश मंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत के दरवाजे बंद नहीं हैं। निज्जर हत्याकांड पर उसके पास कुछ ठोस है तो वह भारत से बात करे। केवल वोटों की खातिर हवाओं में तीर नहीं उछाले।

क्या है बीजिंग का गेम प्लान? अमेरिका में अपने जासूसों को क्यों भेज रहा चीन

अभिनय आकाश

अमेरिका की सीमा पर कुछ अजीब मामला सामने आ रहा है। एक जैसी कद–काठी वाले पुरुष संयुक्त राज्य मेक्सिको में प्रवेश कर रहे हैं और इन पुरुषों के बाल एक जैसे हैं, उनके टैटू एक जैसे हैं और तो और उनका कपड़ा भी एक जैसा है। सभी की उम्र भी एक जैसी है। सभी चीनी हैं। क्या ये भी सब जासूस हैं? दूसरे शब्दों में कहें तो अमेरिका में चीनी जासूसों की बाढ़ आ गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर 2022 और फरवरी 2023 के बीच अमेरिकी सीमा अधिकारी ने दक्षिणी सीमा के माध्यम से चीनी राष्ट्रीय सीमा पार करने के कम से कम 4366 मामले दर्ज किए। ये क्रॉसिंग अवैध थे। 4366, वैसे हैं जो पकड़े गए और उनका क्या जो पकड़ में नहीं आए? वे अब कहां हैं। वे संयुक्त राज्य अमेरिका में कहीं भी हो सकते हैं। वे अमेरिकी एजेंसियों में घुसपैठ कर सकते हैं। वे अमेरिकियों के घरों में भी मौजूद हो सकते हैं और स्थानीय चिकेन और हॉट डॉग स्टोर्स पर नौकरी करते हुए भी पाए जा सकते हैं। जैसे ही वे नौकरी को आकार देते हैं, उन्हें चीन में भर्ती किया जाता है।

चीन के एजेंटों की सेना क्या काम कर रही?

सितंबर में अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में आरोप लगाया गया था कि चीनी नागरिकों के हमारे सैन्य ठिकानों से गुजरने के 100 से अधिक मामले सामने आए हैं। कुछ चीनी नागरिकों ने पर्यटक के रूप में पोस्ट किया और न्यू मैक्सिको में एक मिसाइल प्रक्षेपण स्थल पर घुस गए। कुछ लोग स्कूबा गोताखोर के रूप में आए और खतरनाक तरीके से फ्लोरिडा में एक रॉकेट लॉन्च पक्ष के करीब पहुंच गए। कुछ अन्य अमेरिकी सैन्य अड्डे में पाए गए। जब ये चीनी नागरिक दावा करते हैं कि बर्गर किंग ढूंढने की कोशिश में वे रास्ता भटक गए हैं। तो क्या चीन अमेरिका की जासूसी कर रहा है? आपको बता दें कि अगस्त 2023 में अमेरिका के दो नेवी सेलर्स को चीन पर जासूसी करते हुए गिरफ्तार किया गया था। वे अब सवाल कर रहे हैं कि क्या चीन गैर पारंपरिक खुफिया जानकारी एकत्र करने के अलावा और अधिक के लिए एजेंटों को अमेरिका भेज रहा है।

खुफिया ढंग से जासूसी को कैसे दिया गया अंजाम

टूरिस्ट का भेष बनाकर जासूसी करने वाले चीनी जासूसों ने कई तरीके से अपने मिशन को अंजाम दिया है। मिलिट्री बेस के भीतर मौजूद मैकडॉनल्ड्स या बर्गर किंग के आउटलेट्स मौजूद होते हैं। चीनी नागरिक गूगल मैप का इस्तेमाल कर इन आउटलेट्स में पहुंच जाते थे। सभी को पता लगता था कि चीनी जासूस अपनी भूख मिटाने के लिए आए हैं। मगर वो बड़े आराम से अपने मिशन को अंजाम देकर चुपचाप निकल जाते थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि एक बार चीनी नागरिकों ने अलास्का में मौजूद मिलिट्री बेस में भी घुसने की कोशिश की। जब सिक्योरिटी गार्ड ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो चीनी जासूसों ने कहा कि उनके पास बेस में मौजूद होटल का रिजर्वेशन है। इस तरह होटल में कमरे की बुकिंग का बहाना बनाकर बेस में घुसकर अपने मंसबों को अंजाम दिया गया। ज्यादातर जासूसी की घटनाएं ग्रामीण इलाकों में अंजाम दी गई हैं, जहां आबादी कम है।

ग्रेन्स ऑफ सैंड फॉर्मूला

चीन ने अपने जासूसों को नेकस्ट लेवल का काम सौंपा है। क्या चीन सच में कुछ बड़ा प्लान कर रहा है या फिर बीजिंग के ऑपरेट करने का ये आजमाया हुआ तरीका है। अब आपको एक कहानी सुनाते हैं। स्पाई गेम का बहुत ही फेमस ग्रेन्स ऑफ सैंड फॉर्मूला।

मजाकिया लहजे में कहा जाता है कि अगर रूसी किसी विशेष विदेशी समुद्र तट से रेत लाना चाहते हैं तो वे सैनिकों के साथ एक पनडुब्बी भेजेंगे जो रेत से भरी बीच की बाल्टी भर वापस रूस चली जाएगी। लेकिन चीन को रेत से भरी बाल्टी चाहिए होगी तो, बीजिंग 500 लोगों को उसी बीच पर पिकनिक के लिए भेजेगा और उन सभी को रेत उठाकर बीजिंग वापस लाने के लिए कहेगा। ये सभी देशों के अपने–अपने तरीके हैं। जब चीनी प्रतिष्ठान की मानसिकता को समझने की बात आती है, खासकर उसके सैन्य अभियानों और जासूसी गतिविधियों के संदर्भ में तो आर्ट ऑफ वॉर को सबसे अधिक उद्धृत किया जाता है। चीनी खुफिया एजेंसियों द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण के बारे में समझ विकसित करने के लिए हमें कई पहलुओं पर नजर डालने की जरूरत है। आर्ट ऑफ वॉर के अनुसार, पांच प्रकार के जासूसों को तैनात किया जाता है–

- लोकल स्पाई
- इनसाइड एजेंट
- डबल एजेंट
- एक्सपेंडबल एजेंट
- लाइव एजेंट

इन सभी पांचों किस्मों में जासूसी का केवल और केवल सबसे बड़ा उद्देश्य दुश्मन के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी एकट्ठा करना है। चेयरमैन माओ से लेकर शी जिनपिंग तक के दौर को देखें तो चीनी भाषा में क्विंगबाओ शब्द के दो अर्थ इंटेलिजेंस और इंफॉर्मेशन हैं। जब कोई इसे स्टडी करता है तो यह अवधारणा और भी दिलचस्प हो जाती है।

गांधी को स्वीकारने–नकारने की ऊहापोह

अपनी मृत्यु के 76 वर्षों के बाद भी सारी दुनिया जिस व्यक्ति के आगे नतमस्तक होती है, उनका अपना देश एक बार फिर उनकी जयंती मना रहा है। पिछले लगभग एक दशक से महात्मा गांधी की जयंती हो अथवा पुण्यतिथि, उन्हें याद करते वक्त देश के सामने यह द्वंद्व बराबर खड़ा होता है कि बापू को स्वीकारें या अब वे त्याज्य हैं? ऊहापोह की यह स्थिति तैयार की गई है, कृत्रिम हैय वरना जैसे व जितने लम्बे समय से गांधी जी के नाम को मिटाने के प्रयास हुए हैं, वे सफल हो जाते तो उनके नाम पर होने वाले आयोजन कब के रुक गये होते। उनकी नश्वर काया को मिटाने वाले लोगों, विचारधाराओं और संगठनों ने सोचा भी न होगा कि शरीर छोड़ देने के बाद भी वे ऐसी लम्बी पारी खेलेंगे जो खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। उल्टे, उनका नामो–निशान मिटाने की जितनी कोशिशें हो रही हैं, गांधी का नाम उतना ही बोल्ड और जूम होता जा रहा है। खैर, गांधी को सहेजने और निपटाने की इस रस्साकशी में देश सोमवार को उन्हें फिर से याद कर रहा है। उनके नाम पर होने वाले छोटे–बड़े आयोजनों में उन्हें भी शामिल होना पड़ता है जो यह करना कतई नहीं चाहते। करते भी हैं तो अनिच्छा से। तो भी, गांधी का केवल नाम बचाये रखना काफी नहीं है। उनके विचारों को अमल में लाना आज भी भारतीय समाज के सामने एक बड़ा टास्क बना हुआ है। गांधी खुद का नाम अमर करने या देश भर में अपनी बड़ाई के किस्से प्रसारित करने के पक्ष में बिलकुल नहीं थे परन्तु उनके रहते और उनके बाद की दुनिया ने उनका कहा नहीं माना। ऐसा इसलिये क्योंकि गांधी विश्व के लिये जरूरी हैं। मानवीयता के लिये अपरिहार्य भी। गांधी जी को इस हयात से रुखसत हुए तकरीबन उतने ही साल हुए हैं जितनी पुरानी हमारी आजादी है। स्वतंत्र भारत ने अभी अपनी आंखें ठीक से खोली भी न थीं, कि उसके सामने यकायक बड़ा अंधेरा छा गया था– 30 जनवरी, 1948 को। फिर भी, वे ही रोशनी बने जिनकी अदृश्य ऊंगलियां थामकर हमारे रहनुमाओं ने देश को आगे बढ़ाया। कई सरकारें आईं और गईं। ऐसा नहीं कि इनमें सारे गांधीवादी थे। यहां तक कि उनके तत्काल बाद आई सरकारों ने तो गांधीवादियों की बीज–पुस्तिका शहिन्द स्वराजश के कई सिद्धातों व विचारों को काटते हुए आधुनिकता का रास्ता अपनाया। बड़े कल–कारखाने, विशालकाय बांध तो उनके राजनैतिक वारिस और प्रिय शिष्य जवाहरलाल नेहरू ने बनवाये। इनके पूर्ण होने के काफी पहले ही बापू जा चुके थे। अगर वे होते भी या ऊपर से देख सकते तो वे खुश ही होते कि उनका पट्टशिष्य ये सारे उपक्रम समाज के अंतिम व्यक्ति को सशक्त करने के लिये कर रहा है। फिर, नेहरू ने गांधी के अमृत तत्वों को सहेजकर रखा और सियासत को उन पर हावी नहीं होने दिया। कमोवेश, यह सिलसिला वर्तमान सरकार के पहले तक जारी रहा और गांधी हर तरह की व्यवस्थाओं के बीच भी बच गये– 1991 में आई वैश्विक अर्थव्यवस्था की बाढ़ भी उस उपजाऊ मिट्टी को बहाकर नहीं ले जा सकी जिसमें गांधी विचारों के बीज छिड़के हुए थे। पीवी नरसिम्हा राव हों या आर्थिक सुधारों के पुरोधा डॉ. मनमोहन सिंह अथवा संचार क्रांति के प्रणेता राजीव गांधी– किसी ने भी अपनी कार्य प्रणाली से इस पवित्र नाम को दफ्न नहीं किया। गांधी को बचकानी व हास्यास्पद चुनौतियां देना हालिया राजनीति की देन हैं जिसने इसके लिये लम्बा इंतजार किया था। जितनी पुरानी हमारी स्वतंत्रता है या जितने साल बापू को जाकर हो गये हैं– उससे करीब 25 साल ज्यादा का। 1924 में बने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्वतंत्रता आंदोलन का रास्ता अलग था, यह भी नहीं कहा जा सकता क्योंकि ऐसी किसी राह पर यह संगठन चला ही नहीं। उलटे, वह गांधी जी के नेतृत्व में जारी संघर्ष का मुख्य अवरोध रहा। फिर भी, गांधी को लोग ससम्मान रास्ता देते गये और जनसामान्य को वे ही अपनी मुक्ति का मार्ग महसूस होते रहे। अब परिस्थितियां बदली हुई हैं।

शराब को लेकर भूपेश सरकार लगातार झूठ बोलकर अपनी जिम्मेदारी से मुँह चुरा रही : भाजपा

भाजपा पर शराब बेचने की ट्रेनिंग देने के आरोप पर नेता प्रतिपक्ष चंदेल जमकर बरसे, कहा सूपा बोले तो बोले, चलनी भी बोले, जिसमें बहत्तर छेद

नकली और जहरीली शराब से लोगों की जान लेकर इंसानियत तक को शर्मसार करने वाले बघेल भाजपा पर किस मुँह से झूठे आरोप लगाने का दुस्साहस कर रहे हैं?

अरबों की नाजायज रकम की हवस में कांग्रेस सरकार ने एक पूरी पीढ़ी बर्बाद कर दी, जो भोपाल के गैस कांड से भी बड़ा नरसंहार है, यह भरोसे का खून है चंदेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने शराब को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर लगातार झूठ बोलकर अपनी जिम्मेदारी से मुँह चुराने का आरोप लगाया है। श्री चंदेल ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल द्वारा भाजपा की पूर्ववर्ती राज्य सरकार पर शराब बेचने की ट्रेनिंग देने का आरोप लगाया जाना उस कहावत को चरितार्थ कर रहा है कि सूप बोले तो बोले, चलनी भी बोले, जिसमें बहत्तर छेद! अपनी वादाखिलाफी और शराब घोटाले के काले कारनामों को ढँकने के लिए लाख झूठ बोलकर, स्तरहीन बयान देकर भी मुख्यमंत्री बघेल छत्तीसगढ .को शराब के दलदल में धकेलने के पाप से बरी नहीं हो पाएंगे।

छत्तीसगढ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल ने कहा कि प्रदेश साक्षी है कि पूर्ण शराबबंदी का वादा करने के बावजूद प्रदेशभर में गाँव-गाँव, गली-गली और घर-घर शराब पहुँचाने का कलंकित अध्याय मुख्यमंत्री बघेल के शासनकाल में लिखा जा रहा है, शराब की प्रीमियम दुकानें चल रही हैं, नकली होलोग्राम बनाए जा रहे हैं और गंगाजल की कसम खाकर माँ गंगा तक को अपमानित करने का कृत्य कांग्रेस के शासनकाल में हुआ। यहाँ तक कि कोरोना काल तक में तमाम वर्जनाओं और मर्यादाओं को ताक पर रखकर भूपेश सरकार ने शराब बेचने की ऐसी लोलुपता दिखाई कि पूरे देश में छत्तीसगढ शर्मसार हो गया। षड्यंत्र की इन्तेहा देखिए कि खुद सरकार से जुड़े लोग कच्ची और देशी शराब बिकवाते थे, और जब इसे पी कर बड़ी संख्या में मौतें हुई तो इसे ही बहाना बनाकर भूपेश सरकार ने शराब की होम डिलीवरी भी शुरू कर दी थी। ऐसा अन्याय करने वाली भूपेश बघेल सरकार इस देश की पहली ऐसी राज्य सरकार है। श्री चंदेल ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल तो शराब बिक्री के इतने बड़े सौदागर निकले कि अन्य राज्यों को भी शराब बेचने की ट्रेनिंग देते जरका भी शर्म अनुभव नहीं कर रहे थे। वही मुख्यमंत्री बघेल अब शराबबंदी पर वादाखिलाफी और शराब घोटाले में चहुँओर से घिरने के बाद अब शिगूफेबाजी करने पर उतर आए हैं। देश के राजनीतिक इतिहास में इतने सारे झूठ बोलने की गंदी मिसाल शायद ही किसी और मुख्यमंत्री ने पेश की होगी। श्री चंदेल ने कहा कि शराब की कोचियागिरी करती भूपेश सरकार ने तो नकली और जहरीली शराब बेचकर लोगों की जान लेने और हजारों परिवारों को खुशियों को दाँव पर लगाकर इंसानियत तक को शर्मसार करने का धत्कर्म किया। आज वह भाजपा पर किस मुँह से झूठे आरोप लगाने का दुस्साहस कर रहे हैं?छत्तीसगढ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल ने जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत के लिये प्रदेश की कांग्रेस सरकार को कसूरवार ठहराते हुए कहा कि इसके लिये हजारों करोड़ रुपए का शराब घोटाला करने वाली भूपेश सरकार जिम्मेदार है। भाजपा एक नहीं अनेक बार शासन व प्रशासन को अवैध शराब के कारोबार को रोकने के लिये कड़ी कार्रवाई करने के संबंध में ध्यान आकृष्ट करती रही, सड़क से लेकर सदन तक इस विषय को लेकर आंदोलन भी हुए, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि प्रदेश की भूपेश सरकार के संरक्षण में अवैध व जहरीली शराब का कारोबार खुलेआम गाँव-गाँव, गली-गली में बदस्तूर चल रहा है। शासन व प्रशासन के संरक्षण में इस कार्य को अंजाम तक पहुंचाया जा रहा है। यह मौत का तांडव इस कांग्रेस सरकार की अवैध कमाई की भूख की परिणति है। श्री चंदेल ने कहा कि शराबबंदी के अपने वादे से पूरी तरह मुकर चुके मुख्यमंत्री बघेल तमाम तरह की सियासी लफ्फाजियाँ करने के बाद अब कह रहे हैं कि पूरे देश में शराबबंदी लागू की जाए, छत्तीसगढ़ में शराबबंदी हो जाएगी। मुख्यमंत्री बघेल प्रदेश को यह जवाब दें कि क्या गंगाजल की सौगंध खाकर पूर्ण शराबबंदी का वादा करते समय कांग्रेस ने शराबबंदी के लिए ऐसी कोई शर्त रखी थी?छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल ने कहा कि शराबबंदी को लेकर प्रदेश सरकार में बढ़ बोलेपन की एक होड़-सी मची है। भूपेश सरकार के आबकारी मंत्री कवासी लखमा को तो यहाँ तक कहते पूरे प्रदेश ने सुना-देखा है कि जब तक मैं सरकार में हूँ, छत्तीसगढ़ में शराबबंदी नहीं होगी। ऐसा लग रहा है कि इस मामले में एक भोले-भाले आदिवासी नेता कवासी लखमा को इसलिए विभागीय मंत्री बना कर रखा गया ताकि वे खामोश रहें और पॉलिटिकल मास्टर पूरी मलाई साफ करते रहें। मुख्यमंत्री बघेल जो बोल नहीं पाते, उसे मंत्री लखमा के मुँह से कहला कर कांग्रेस की नीति और नीयत में खोट का परिचय वह दे रहे हैं। श्री चंदेल ने कहा कि मंत्री लखमा अपने बयान से जिस तरह छत्तीसगढ़ की महिलाओं का अपमान कर रहे हैं, इसका खामियाजा प्रदेश की कांग्रेस सरकार को भुगतना पड़ेगा। शराबबंदी के वादे पर प्रदेश की मातृ-शक्ति से धोखाधड़ी करने वाली कांग्रेस और उसकी प्रदेश सरकार को अब इस शराब का नशा चढ़ गया है। मंत्री लखमा जो कह रहे हैं कि वह जहाँ जाते हैं वहाँ शराब दुकान खोलने की मांग आती है, तो क्या लखमा यह कहना चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ की जनता शराबी है। प्रदेश सरकार यह याद रखे कि छत्तीसगढ़ की बहनों का अभिशाप कांग्रेस और उसकी प्रदेश सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकेगा। प्रदेश की कांग्रेस सरकार अपने बढ़बोलेपन से बाज आ जाए। मातृ-शक्ति के इस अपमान की कीमत चुकाने के लिए कांग्रेस और उसकी भूपेश सरकार तैयार हो जाए।छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल ने सीएम पद को कलेक्शन मास्टर (सीएम) बना दिया है। वे सोनिया खानदान के राजस्व कलेक्टर बन गए हैं। यह दारू वाली सरकार है। जैसे तेलगी ने नकली नोटों का कारोबार किया था, वैसे ही भूपेश ने नकली होलोग्राम का कारोबार किया है। टैक्स वसूलने वाली सरकार खुद टैक्स चोरी कर रही है। छत्तीसगढ़ शर्मसार है। कांग्रेस की सरकार ने जनता से शराबबंदी का वादा कर जनादेश लिया था। आज उस शराब में सबसे बड़ा घोटाला भूपेश सरकार का सामने आया है। श्री चंदेल ने कहा कि वास्तव में अरबों की नाजायज रकम की हवस में कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ की एक पूरी पीढ़ी बर्बाद कर दी है। यह भोपाल के गैस कांड से भी बड़ा नरसंहार है। यह भरोसे का खून है। हजारों मौत प्रदेश में शराब के कारण हुई है। सड़क दुर्घटनाओं में सैकड़ों मृत्यु हुई है जिसका कारण शराब है। नशे में अबोध बेटियों तक की हत्या, पत्नी का खून आदि इस शराब के कारण हुआ है। शासन द्वारा अवैध रूप से बेचे जा रहे कच्ची शराब से पूरी पीढ़ी बीमार हो गयी है। भूपेश बघेल वास्तव में मुगल और अंग्रेज जैसा लुटेरा साबित हुए हैं। इस शराब से शासकीय खजाने को तो अरबों का चूना लगा ही, प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य और उसकी जान का भी सौदा किया गया। मुख्यमंत्री बघेल तो केजरीवाल से बड़े शराब घोटालेबाज साबित हुए हैं।

अम्बाह पुलिस ने 10 हजार रुपये का कुख्यात इनामी बदमाश को देशी कट्टा सहित गिरफ्तार किया...

केशब पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह... आगामी विधानसभा चुनाव 2023 को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक मुरैना शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा अवैध हथियार तस्करों, अवैध शराब - मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री, ईनामी फरारी बदमाशों एवं स्थायी वारंटियों की धरपकड़ हेतु संपूर्ण मुरैना जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जा रहा है। उक्त अभियान के तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक मुरैना डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर के निर्देशन व एसडीओपी अम्बाह श्री रवि भदौरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अम्बाह द्वारा कार्यवाही की गई । यह कि दिनांक 14.08.23 को ग्राम रुअर के ब्रजमोहन तोमर व सीताराम तोमर को शातिर बदमाश व उसके भाईयों द्वारा जान से मारने की

नियत से कट्टे से फायर किया गया जिससे ब्रजमोहन तोमर व सीताराम तोमर घायल हो गये जिस पर थाना अम्बाह मे घायल ब्रजमोहन के लड़के राहुल तोमर द्वारा दिनांक 14.08.23 को रिपोर्ट की गई जिस पर से अपराध क्र.532 / 23 धारा 307,294,34 भादवि का कायम कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना को वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा गंभीरता से लिया जाकर शातिर बदमाश आरोपी को पकड़ने के लिये थाना स्तर पर टीम गठित की गई। उक्त टीम द्वारा मुखविर तंत्र सक्रिय कर आज दिनांक 04.10.23 की शाम को उक्त अपराध के आरोपी को ग्राम रुअर नहर की पटरी से एक 315 बार के कट्टा सहित गिरफ्तार किया गया।उक्त कार्य में निरी. अमित भदौरिया थाना प्रभारी अम्बाह उनि बी एस परिहार, उनि मनोज वर्दिया, उनि पंकज यादव, प्रा0 587 माधौसिह, प्रा0 136 लज्जाराम, आर. जोगेन्द्र , आर. सतेन्द्र गुर्जर, आर. 114 योगेन्द्र राजे का योगदान रहा।

प्रधानमंत्री भारत सरकार के नाम गब्बर सिंह, महेश सिंह सुरेश सिंह गुर्जर एडवोकेट एवं गुर्जर समाज के नेतृत्व में गोहद एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

गोहद। जिला प्रशासन के इशारे पर ग्वालियर जिला पुलिस द्वारा गुर्जर समाज के लोगों पर किए जा रहे अत्याचार के विरोध में ज्ञापन एवं माँग पत्र25 सितंबर को ग्वालियर शहर के फूलबाग मैदान में गुर्जर समाज के लगभग 20-25 हजार लोगों का सम्मेलन आयोजित हुआ था सम्मेलन समाज के लोगों ने गुर्जर सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा के चारों तरफ लगे अवैध टीन सेड को हटाने की मांग को लेकर किया था सम्मेलन पूरी तरह शांतिपूर्ण था सम्मेलन की स्थानीय जिला प्रशासन से विधिक अनुमति प्राप्त की गई थी जिला प्रशासन ने सम्मेलन को लेकर कोई प्रबंध मौके पर नहीं किया न ही इतनी बड़ी संख्या में हो रहे सम्मेलन के वावत ज्ञापन प्राप्त करने हेतु कोई अधिकारी मौके पर उपस्थित था किसी भी अधिकारी के ज्ञापन लेने के लिए सम्मेलन स्थल पर नहीं पहुंचने के कारण सम्मेलन में शामिल लोगों ने ज्ञापन देने के लिए शांतिपूर्ण ढंग से कलेक्ट्रेट के लिए पैदल मार्च किया। कलेक्ट्रेट पर पहले से ही तैनात पूर्वाग्रह से ग्रस्त जिला प्रशासन ने ज्ञापन देने आये गुर्जर समाज के लोगों पर आसू गैस के गोले छोड़ने शुरू कर दिए और लाठीचार्ज कर दिया इतना ही नहीं लोगों को बुरी तरह पीटा गया। जिसमें कई लोग घायल हो गए गुर्जर समाज के लोगों के वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया गुर्जर समाज के लोगों की घरों में जाकर पिटाई की गई गिरफ्तारियां की गई यहाँ तक किमहिलाओं को भी नहीं छोड़ा गया एक महिला हर्षिता गुर्जर को पूरी रात थाने पर रखकर बुरी तरह पीटा गया जिससे अभी तक वह सदमे में है। जनप्रतिनिधियों सहित सैकड़ों लोगों पर रासुका सहित गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज किए गए हैं इतना ही नहीं अपराधियों की भांति उनके ऊपर इनाम भी घोषित किए गए हैं मध्यप्रदेश सरकार के इशारे पर ग्वालियर जिला प्रशासन गुर्जर समाज को बुरी तरह दबाने और कुचलने के मकसद से लोगों के घरों में रेड डालकर गिरफ्तार कर मुकद्दमे दर्ज करके गुर्जर समाज के मान सम्मान और स्वाभिमान को कुचलने की कोशिश कर रहा है पूरे देश का गुर्जर समाज मध्य प्रदेश सरकार और ग्वालियर प्रशासन के इस समाज विरोधी अत्याचार की निंदा करता है विरोध करता है और मांग करता है कि गुर्जर समाज पर अत्याचार तुरंत बंद किया जाए ग्वालियर जिला प्रशासन द्वारा घटना से पूर्व और घटना के बाद दर्ज सभी मुकदमों को वापस लिया जाए और गुर्जर सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा के चारो ओर अवैध रूप लगे टीन सेड को तुरंत हटाया जाए एवं दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए जिससे की सरकार के न्यायप्रिय होने का संदेश जा सके ऐसा नहीं किए जाने पर संपूर्ण देश का क्षत्रिय गुर्जर समाज आने बाले विधान सभा चुनाव का बहिष्कार करेगा।

गांधी जयंती पर इनर व्हील क्लब ने चलाया स्वच्छता अभियान बुजुर्गों का किया सम्मान बाँटी मिठाई

सीहोर। 2 अक्टूबर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर इनर व्हील क्लब की सदस्यों के द्वारा प्राचीन गणेश मंदिर पहुंचकर कर मंदिर परिसर की साफ-सफाई की एवं वहाँ पर उपस्थित बुजुर्गों का पुष्पहारों से सम्मान कर मीठाई वितरित की। इस मौके पर इनर व्हील क्लब की क्लब अध्यक्ष रविन्द्र कौर ने गांधी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अहिंसा परम धर्म है और बुजुर्गगणों की सेवा से बड?र कोई सेवा नही है, इनकी सेवा में ही ईश्वर की सेवा है। स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण में ही स्वच्छ मन का वास होता है। हमारे आस-पास स्वच्छता रखने से वातावरण में बेहतरीन तो रहता ही है, साथ ही कई बीमारियों से छुटकारा मिलता है। इस मौके पर इनर व्हील की क्लब अध्यक्ष रविन्द्र कौर, क्लब सचिव मुक्ती मालवीय, एसोसिएशन अध्यक्ष प्रीति गुगनानी, निर्देशक चेयरमेन बीना शाह, कुसुम सरेआम, ज्योत्सना शर्मा, नीति ठकराल, मीरा कौशल, हेमलता राठौर, तारा अग्रवाल, कान्ता गट्टानी, सुमन तिवारी, शशी विजयवर्गीय, नवनीता श्रीवास्तव, सीमा व्यास आदि का विशेष सहयोग रहा।

शराब को लेकर भूपेश सरकार लगातार झूठ बोलकर अपनी जिम्मेदारी से मुँह चुरा रहीःभाजपा

भाजपा पर शराब बेचने की ट्रेनिंग देने के आरोप पर नेता प्रतिपक्ष चंदेल जमकर बरसे, कहा सूपा बोले तो बोले, चलनी भी बोले, जिसमें बहत्तर छेद

नकली और जहरीली शराब से लोगों की जान लेकर इंसानियत तक को शर्मसार करने वाले बघेल भाजपा पर किस मुँह से झूठे आरोप लगाने का दुस्साहस कर रहे हैं?अरबों की नाजायज रकम की हवस में कांग्रेस सरकार ने एक पूरी पीढ़ी बर्बाद कर दी, जो भोपाल के गैस कांड से भी बड़ा नरसंहार है, यह भरोसे का खून है : चंदेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने शराब को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर लगातार झूठ बोलकर अपनी जिम्मेदारी से मुँह चुराने का आरोप लगाया है। श्री चंदेल ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल द्वारा भाजपा की पूर्ववर्ती राज्य सरकार पर शराब बेचने की ट्रेनिंग देने का आरोप लगाया जाना उस कहावत को चरितार्थ कर रहा है कि सूप बोले तो बोले, चलनी भी बोले, जिसमें बहत्तर छेद! अपनी वादाखिलाफी और शराब घोटाले के काले कारनामों को ढँकने के लिए लाख झूठ बोलकर, स्तरहीन बयान देकर भी मुख्यमंत्री बघेल छत्तीसगढ़ को शराब के दलदल में धकेलने के पाप से बरी नहीं हो पाएंगे।छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल ने कहा कि प्रदेश साक्षी है कि पूर्ण शराबबंदी का वादा करने के बावजूद प्रदेशभर में गाँव-गाँव, गली-गली और घर-घर शराब पहुँचाने का कलंकित अध्याय मुख्यमंत्री बघेल के शासनकाल में लिखा जा रहा है, शराब की प्रीमियम दुकानें चल रही हैं, नकली होलोग्राम बनाए जा रहे हैं और गंगाजल की कसम खाकर माँ गंगा तक को अपमानित करने का कृत्य कांग्रेस के शासनकाल में हुआ। यहाँ तक कि कोरोना काल तक में तमाम वर्जनाओं और मर्यादाओं को ताक पर रखकर भूपेश सरकार ने शराब बेचने की ऐसी लोलुपता दिखाई कि पूरे देश में छत्तीसगढ़ शर्मसार हो गया। षड्यंत्र की इन्तेहा देखिए कि खुद सरकार से जुड़े लोग कच्ची और देशी शराब बिकवाते थे, और जब इसे पी कर बड़ी संख्या में मौतें हुई तो इसे ही बहाना बनाकर भूपेश सरकार ने शराब की होम डिलीवरी भी शुरू कर दी थी। ऐसा अन्याय करने वाली भूपेश बघेल सरकार इस देश की पहली ऐसी राज्य सरकार है। श्री चंदेल ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल तो शराब बिक्री के इतने बड़े सौदागर निकले कि अन्य राज्यों को भी शराब बेचने की ट्रेनिंग देते जरका भी शर्म अनुभव नहीं कर रहे थे। वही मुख्यमंत्री बघेल अब शराबबंदी पर वादाखिलाफी और शराब घोटाले में चहुँओर से घिरने के बाद अब शिगूफेबाजी करने पर उतर आए हैं। देश के राजनीतिक इतिहास में इतने सारे झूठ बोलने की गंदी मिसाल शायद ही किसी और मुख्यमंत्री ने पेश की होगी। श्री चंदेल ने कहा कि शराब की कोचियागिरी करती भूपेश सरकार ने तो नकली और जहरीली शराब बेचकर लोगों की जान लेने और हजारों परिवारों को खुशियों को दाँव पर लगाकर इंसानियत तक को शर्मसार करने का धत्कर्म किया। आज वह भाजपा पर किस मुँह से झूठे आरोप लगाने का दुस्साहस कर रहे हैं?छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल ने जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत के लिये प्रदेश की कांग्रेस सरकार को कसूरवार ठहराते हुए कहा कि इसके लिये हजारों करोड़ रुपए का शराब घोटाला करने वाली भूपेश सरकार जिम्मेदार है। भाजपा एक नहीं अनेक बार शासन व प्रशासन को अवैध शराब के कारोबार को रोकने के लिये कड़ी कार्रवाई करने के संबंध में ध्यान आकृष्ट करती रही, सड़क से लेकर सदन तक इस विषय को लेकर आंदोलन भी हुए, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि प्रदेश की भूपेश सरकार के संरक्षण में अवैध व जहरीली शराब का कारोबार खुलेआम गाँव-गाँव, गली-गली में बदस्तूर चल रहा है। शासन व प्रशासन के संरक्षण में इस कार्य को अंजाम तक पहुंचाया जा रहा है। यह मौत का तांडव इस कांग्रेस सरकार की अवैध कमाई की भूख की परिणति है। श्री चंदेल ने कहा कि शराबबंदी के अपने वादे से पूरी तरह मुकर चुके मुख्यमंत्री बघेल तमाम तरह की सियासी लफ्फाजियाँ करने के बाद अब कह रहे हैं कि पूरे देश में शराबबंदी लागू की जाए, छत्तीसगढ़ में शराबबंदी हो जाएगी। मुख्यमंत्री बघेल प्रदेश को यह जवाब दें कि क्या गंगाजल की सौगंध खाकर पूर्ण शराबबंदी का वादा करते समय कांग्रेस ने शराबबंदी के लिए ऐसी कोई शर्त रखी थी?छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल ने कहा कि शराबबंदी को लेकर प्रदेश सरकार में बढ़बोलेपन की एक होड़-सी मची है। भूपेश सरकार के आबकारी मंत्री कवासी लखमा को तो यहाँ तक कहते पूरे प्रदेश ने सुना-देखा है कि %जब तक मैं सरकार में हूँ, छत्तीसगढ़ में शराबबंदी नहीं होगी।% ऐसा लग रहा है कि इस मामले में एक भोले-भाले आदिवासी नेता कवासी लखमा को इसलिए विभागीय मंत्री बना कर रखा गया ताकि वे खामोश रहें और पॉलिटिकल मास्टर पूरी मलाई साफ करते रहें। मुख्यमंत्री बघेल जो बोल नहीं पाते, उसे मंत्री लखमा के मुँह से कहला कर कांग्रेस की नीति और नीयत में खोट का परिचय वह दे रहे हैं। श्री चंदेल ने कहा कि मंत्री लखमा अपने बयान से जिस तरह छत्तीसगढ़ की महिलाओं का अपमान कर रहे हैं, इसका खामियाजा प्रदेश की कांग्रेस सरकार को भुगतना पड़ेगा। शराबबंदी के वादे पर प्रदेश की मातृ-शक्ति से धोखाधड़ी करने वाली कांग्रेस और उसकी प्रदेश सरकार को अब इस शराब का नशा चढ़ गया है। मंत्री लखमा जो कह रहे हैं कि वह जहाँ जाते हैं वहाँ शराब दुकान खोलने की मांग आती है, तो क्या लखमा यह कहना चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ की जनता शराबी है। प्रदेश सरकार यह याद रखे कि छत्तीसगढ़ की बहनों का अभिशाप कांग्रेस और उसकी प्रदेश सरकार को सत्ता से उखा? फेंकेगा। प्रदेश की कांग्रेस सरकार अपने बड़बोलेपन से बाज आ जाए। मातृ-शक्ति के इस अपमान की कीमत चुकाने के लिए कांग्रेस और उसकी भूपेश सरकार तैयार हो जाए।छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल ने सीएम पद को कलेक्शन मास्टर (सीएम) बना दिया है। वे सोनिया खानदान के राजस्व कलेक्टर बन गए हैं। यह दारू वाली सरकार है। जैसे तेलगी ने नकली नोटों का कारोबार किया था, वैसे ही भूपेश ने नकली होलोग्राम का कारोबार किया है। टैक्स वसूलने वाली सरकार खुद टैक्स चोरी कर रही है। छत्तीसगढ़ शर्मसार है। कांग्रेस की सरकार ने जनता से शराबबंदी का वादा कर जनादेश लिया था। आज उस शराब में सबसे बड़ा घोटाला भूपेश सरकार का सामने आया है। श्री चंदेल ने कहा कि वास्तव में अरबों की नाजायज रकम की हवस में कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ की एक पूरी पीढ़ी बर्बाद कर दी है। यह भोपाल के गैस कांड से भी बड़ा नरसंहार है। यह भरोसे का खून है। हजारों मौत प्रदेश में शराब के कारण हुई है। सड़क दुर्घटनाओं में सैकड़ों मृत्यु हुई है जिसका कारण शराब है। नशे में अबोध बेटियों तक की हत्या, पत्नी का खून आदि इस शराब के कारण हुआ है। शासन द्वारा अवैध रूप से बेचे जा रहे कच्ची शराब से पूरी पीढ़ी बीमार हो गयी है। भूपेश बघेल वास्तव में मुगल और अंग्रेज जैसा लुटेरा साबित हुए हैं। इस शराब से शासकीय खजाने को तो अरबों का चूना लगा ही, प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य और उसकी जान का भी सौदा किया गया। मुख्यमंत्री बघेल तो केजरीवाल से बड़े शराब घोटालेबाज साबित हुए हैं।

मुख्यमंत्री एवं जनसंपर्क मंत्री को पत्रकारों की समस्या निदान हेतु ज्ञापन सौंपा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भोपाल । भोपाल में स्टेट मीडिया सेंटर के भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने प्रदेश के पत्रकारों की समस्याओं एवं जिला भिण्ड में पत्रकार भवन निर्माण कराने हेतु मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं जनसंपर्क मंत्री राजेंद्र शुक्ल को ज्ञापन सौपा जिस पर मुख्यमंत्री श्री चौहान एवं जनसंपर्क मंत्री श्री शुक्ल ने समस्याओं का निराकरण किये जाने का आश्वासन दिया। पत्रकारों की कई समस्याओं का निदान करने हेतु बिन्दुवार मांगों को लेकर ज्ञापन पत्र सौपा।

बिन्दुवार मुख्य मांगें :-

1- जिला भिण्ड में ÷पत्रकार भवन÷ का निर्माण कराया जाये ।

2 - 7 वर्ष की मान्यता होने पर पेंशन का हकदार बनाया जाये ।

3 - मान्यता के लिए नियमों में सरलीकरण नियमावली लागू की जाये ।

4 - पत्रकारों को शस्त्र लाइसेंस बनवाने में प्राथमिकता देते हुए शस्त्र लाइसेंस आवेदन करने के दिनांक से 3 माह (90 दिन) के भीतर शस्त्र लाइसेंस जारी किया जाये ।

5 - मान्यता प्राप्त एवं गैरमान्यता वाले सभी

पत्रकारों को जिला स्तरीय पत्रकारों को पूरे जिले में एवं प्रदेश स्तरीय पत्रकारों को पूरे प्रदेश के सभी टोल पर वैध प्रेस कार्ड दिखाने पर चार पहिया वाहनों पर टोल शुल्क से पूर्णतः मुक्त किया जाये ।

6 - जिला स्तर पर प्रतिमाह कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक एवं पत्रकारों की एक बैठक नियमित/अनिवार्य किए जाने का शासकीय नियम बनाया जाये ।

7 - पत्रकार को झूठे प्रकरण में फंसाने या फंसाने वाले व्यक्ति पर तुरन्त मुकद्मा दर्ज किया जकार पीड़ित पत्रकार को दो लाख (2,00,000/-) रुपये मुआवजा दिया जाये अथवा झूठा प्रकरण दर्ज करने या कराने वाले से दिलाया जाये ।

8 - पत्रकार को अपमानित या प्रताड़ित करने वाले व्यक्ति पर तुरन्त प्रकरण दर्ज किया जाकर पीड़ित पत्रकार को दो लाख (2,00,000/-) रुपये दिये जायें अथवा अपमानित करने वाले व्यक्ति से दिलवाये जायें ।

9 - पत्रकार पत्रकारिता (ऑन ड्यूटी) करते समय मान्यता प्राप्त एवं गैर मान्यता वाले पत्रकार के निधन होने पर परिजनों को बीस लाख (20,00,000/-) रुपये एवं प्रेस से जुड़े हुए किसी भी कर्मचारी का ऑनड्यूटी निधन होने पर दस लाख (10,00,000/- रूपये की आर्थिक सहायता तुरन्त की जाये ।

उक्त मांग को शीघ्र पूरा करने का अनुरोध किया है। मांग करने वालों में मुख्य रूप से वरिष्ठ पत्रकार भरत सिंह रावत, जितेंद्र सिंह यादव, मनोज श्रीवास, संतोष बघेल,रितेश कटारे, दीपेंद्र बौहरे, सतेंद्र सिंह यादव, सहित अन्य पत्रकारबन्धु मौजूद रहे।

मोदी सरकार नाकामी छिपाने के लिए कर रहीं हैं मीडिया पर हमला :सीटू

भिण्ड। लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ मीडिया पर भाजपा मोदी सरकार ने यु ए पी ए की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दिल्ली पुलिस द्वारा कई पत्रकारों स्टैंड अप कामेडियन व्यंग्यकारों वैज्ञानिक सांस्कृतिक इतिहासकारों और टिप्पणीकारों के घरों पर सुबह सुबह की गई छापेमारी कार्यवाही की सेन्टर आफ इंडियन ट्रेड यूनियन सीटू जिला कमेटी भिण्ड द्वारा कठोर शब्दों में निन्दा करती है भाजपा मोदी सरकार अपनी असफलताओं को छिपाने के लिए केन्द्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है लोकतंत्र में जनता की आवाज उठाने वाले सत्य की आवाज को दबाने का काम कर रही है उक्त आरोप सीटू जिला महासचिव अनिल दौनेरिया ने मीडिया के माध्यम से भाजपा सरकार पर लगायेसीटू नेता अनिल दौनेरिया ने आगे कहा मोदी सरकार ने मीडिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार पर खुला हमला है पिछले 9 वर्षों के दौरान मोदी सरकार ने नयूजकिलक बीबीसी न्यूज़ लांड्री दैनिक भास्कर भारत समाचार कश्मीर

वाला द वायर जैसे विभिन्न मीडिया घरानों को दवाने परेशान करने और डराने धमकाने के लिए जांच एजेंसियों को तैनात किया और अब इससे जुड़े सभी लोगों पर छापेमारी कर आंतकवादी देशद्रोही धाराओं में गिरफ्तार किया जा रहा है जो लोकतंत्र के लिए घातक हैदौनेरिया ने आगे कहा सत्ता के सामने सच बोलने वाले मीडिया संस्थानों। और पत्रकारों पर इतने बड़े पैमाने पर तानाशाही हमला पूरी तरह लोकतंत्र में अस्वीकार है प्रजातंत्र में जनता के अधिकारों की रक्षा करने वाले मीडिया को निशाना बनाने सताने और दवाने की ऐसी ऐसी व्यवस्थित साजिश के खिलाफ एकजुट होकर विरोध करे और लोकतंत्र की रक्षा करने में अपना योगदान दे

दौनेरिया ने आगे कहा मोदी सरकार के समय पुलवामा हमले की जांच रिपोर्ट आज तक नहीं देश पर 2014 तक कुल कर्ज 55 लाख करोड़ रुपए था जो बढ़कर 88 लाख करोड़ रुपए हो गया बैको से कर्ज लेकर विदेश भागने वाले सबसे अधिक है जिन मीडिया संस्थानों पर हमला किया गया है उन्होंने तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के संघर्षों में साथ दिया था मोदी सरकार द्वारा 44 श्रम कानूनों को खत्म कर श्रमिक विरोधी कानूनों के खिलाफ मजदूरों को जागरूक करने का काम किया था

इसलिए भाजपा मोदी सरकार ने द्वेष में मीडिया संस्थानों में छापेमारी की है जो लोकतंत्र में अनुचित है संविधान विरोधी है

कोई भी नागरिक आचार संहिता के उल्लंघन की सी-विजिल एप के माध्यम से जानकारी दे सकेगा

दैनिक पुष्पांजली टुडे
विधानसभा निर्वाचन 2023

भिण्ड । मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 में आचार संहिता के उल्लंघन की सी-विजिल एप के माध्यम से कोई भी नागरिक जानकारी दे सकेगा। जानकारी मिलते ही आयोग द्वारा उस पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 में निर्वाचन संबंधी शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए सी-विजिल मोबाइल एप को तैयार कराया गया है। इस एप के माध्यम से कोई भी नागरिक निर्वाचन में आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन संबंधी किसी भी घटना का फोटो-वीडियो तैयार कर अपनी शिकायत भेज सकता है। प्राप्त शिकायत की त्वरित जांच कर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि आचार संहिता के लागू होते ही यह एप सक्रिय हो जाएगा। 100 मिनट के अंदर शिकायत का निराकरण किया जाएगा।मोबाइल प्ले स्टोर पर जाकर डाउनलोड करना होगा सी-विजिल एपसी-विजिल एप का उपयोग करने के लिए किसी भी नागरिक को सबसे पहले अपने एंड्रायड मोबाइल के प्ले स्टोर या एप्पल मोबाइल के एप स्टोर पर जाकर डाउनलोड करना होगा। कोई भी नागरिक घटनास्थल से 20 मीटर के अंदर से ली गई फोटो अपलोड कर सकता है। 5 मिनट के अंदर किसी भी नागरिक को सी-विजिल एप पर फोटो अपलोड करनी होगी।सी-विजिल एप के माध्यम से शिकायतकर्ता द्वारा की गई शिकायत सर्वप्रथम जिला शिकायत कंट्रोलर (डीसीसी) के पास जाएगी। इसके बाद जिला शिकायत कंट्रोलर द्वारा यह शिकायत प्रारंभिक जांच उपरांत सही होने पर एफएसटी (फ्लांइंग स्क्वॉड टीम) के पास भेजी जाएगी। जांच टीम द्वारा शिकायत की जांच कर कार्रवाई करने के उपरांत यथा-स्थिति का प्रतिवेदन निराकरण अधिकारी को भेजा जाएगा। रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जांच प्रतिवेदन के आधार पर आवश्यक दिशा-निर्देश का प्रतिवेदन संबंधित जांच टीम एफएसटी एवं जिला शिकायत कंट्रोलर को प्राप्त होगा

भाजपा नेता रामसुशील मिश्र ने किया सिरमौर विधानसभा में सघन जनसम्पर्क

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा
विवेक तिवारी (संभागीय ब्यूरो)

रीवा। सिरमौर विधानसभा क्षेत्र 68 के विभिन्न गाँवो में जनसंपर्क ...कोलहा, कोनी,महुआ टोला,बसरेही,सिरमौर, राजगढ़, दुलहरा, जामो, सदहाना, उमरी, बैकुंठपुर में ,जतरी,बौसडवा, कोटा, सुहाबल, हरदिहा, पड़ रहा, पनवार, लटियार,मदरी, दूअरा, भौठी, कल्याणपुर, हरदोली, रघुनाथपुर, दोन्दर,गैहिलवार,छतैनी,सिरमौर, राजगढ़, दुलहरा, जामो, सदहाना, उमरी, बैकुंठपुर गाँवो में जाकर लोगो से जनसम्पर्क कर भाजपा पार्टी की योजनाओं और विकास कार्यो को विस्तार से बताया और शिवराज सिंह जी के सम्पूर्ण विकास योजनाओं की जानकारी दिया । रामसुशील मिश्र ने कहा हम सभी एक सशक्त मजबूत राष्ट्र हित क्षेत्र हित जनजन की समस्याओं का निराकरण करने वाली पार्टी भाजपा हैं जिसका मार्गदर्शन और विकास गति मा प्रधानमंत्री मोदी जी दे रहे है ।आचार्य रामसुशील मिश्र ने बताया 7 दिवसीय भागवत कथा विशाल भण्डारा में आये सभी का आभार था,आगे हमारे निज मकान लटियार में पिता जी माता जी के गया तीर्थ यात्रा के बाद गया पूजन भण्डारा प्रसाद में सभी क्षेत्रवासियों का आमंत्रण भी हैं

अल्ट्राटेक बेला सीमेंट कंपनी में कार्यरत युवक की अचानक तबियत बिगड़ने के बाद इलाज के दौरान अस्पताल में हुई मौत

परिजन मुआवजे राशि की मांग पर अड़े शव रखकर कंपनी के मुख्य द्वार पर किया धरना प्रदर्शन

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा
विवेक तिवारी (संभागीय ब्यूरो)

रीवा। जिले के चोरहटा थाना क्षेत्र के नौबस्ता चौकी अंतर्गत स्थित अल्ट्राटेक बेला सीमेंट प्लांट में दिनांक 25 सितंबर को काम के दौरान कंपनी रोल के सुपरवाइजर गिरजा प्रसाद पटेल पिता दशरथ प्रसाद पटेल उम्र 56वर्ष ग्राम खजुरी ताल का अचानक स्वास्थ्य खराब हुआ जिसके बाद कंपनी प्रबंधन परिजनों को बिना सूचना दिए इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल पहुंचा दिए और अस्पताल में छोड़कर कंपनी प्रबंधन वापस लौट आया इसके बाद अस्पताल प्रबंधन परिजनों को सूचना दिया जिसके बाद परिजन इलाज के लिए नागपुर ले गए जहां युवक की 3 अक्टूबर को इलाज के दौरान मौत हो गई इसके बाद परिजन शव लेकर अल्ट्राटेक बेला सीमेंट कंपनी के मुख्य द्वार पर पहुंचे जहां शव रखकर मुआवजा राशि की मांग पर अड़े हुए हैं, जिसके बाद सूचना मिलते ही मौके पर नौबस्ता चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक अंकिता मिश्रा, चोरहटा थाना प्रभारी श्रृंगेश सिंह राजपूत, सहित समान थाना प्रभारी जयप्रकाश पटेल के साथ-साथ कई थानों का पुलिस बल मौके पर मौजूद।

राजनैतिक दलों को प्रदान की गई अंतिम रूप से प्रकाशित मतदाता सूची

कलेक्टर ने स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में दी निर्वाचन संबंधी जानकारी

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा
शिवम तिवारी (ब्यूरो चीफ)

रीवा। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में निर्वाचन की जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि मतदाता सूची का सभी मतदान केन्द्रों में 4 अक्टूबर को अंतिम रूप से प्रकाशन कर दिया गया है। इसके संक्षिप्त पुनरीक्षण में संशोधन तथा परिवर्धन के लिए एक लाख से अधिक आवेदन पत्र प्राप्त हुए। इनका भलीभांति परीक्षण कर पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किए गए हैं। इसी तरह मतदाताओं के नाम पृथक करने तथा एक मतदान केन्द्र से दूसरे में स्थानांतरित होने की भी कार्यवाही की गई है। निर्वाचन की आदर्श आचरण संहिता लागू होने के बाद मतदाता सूची से नाम काटने और शिफ्ट करने के नए आवेदन नहीं लिए जाएंगे। लेकिन जो आवेदन पत्र पूर्व से दर्ज हैं उन पर समुचित कार्यवाही की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि आज सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को मतदाता सूची प्रदान की गई है। सभी राजनैतिक दल प्रत्येक मतदान केन्द्र में बीएलए नियुक्त करके मतदाता सूची का सत्यापन करा लें। मतदान केन्द्रों में की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा अवश्य लें। मतदान केन्द्रों में निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। सभी राजनैतिक दल सम्पत्ति विरूपण अधिनियम तथा कोलाहल नियंत्रण अधिनियम का पालन कराने में सहयोग करें। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले ने विधानसभा निर्वाचन के तैयारियों की जानकारी दी। बैठक में नोडल अधिकारी व्यय लेखा आरके प्रजापति तथा सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिला शिक्षा केंद्र रीवा का कारनामा, पुराने सीएसी बीएसी की प्रति नियुक्ति समाप्त किए बगैर कर दी गई काउंसलिंग

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा
पुष्पेंद्र सिंह (ब्यूरो चीफ मऊगंज)

मऊगंज/ रीवा जिला शिक्षा केंद्र रीवा के कुर्सी में आसीन जम्मिदारों द्वारा सारे नियम कायदों को दरकिनार कर सीएसी बीएसी प्रतिनियुक्ति प्रक्रिया की काउंसलिंग कराई गई ? जबकि काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्ण निष्पक्ष एवं विधि संगत हो जिसे ध्यान में रखते हुए कलेक्टर रीवा द्वारा सहायक कलेक्टर की मौजूदगी में काउंसलिंग कराने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन जिला शिक्षा केंद्र रीवा के जिम्मेदारों द्वारा कलेक्टर रीवा को ही धोखे में रखकर काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्ण की गई। विदित हो कि राज्य शिक्षा केंद्र के आदेश अनुसार 4 वर्ष से अधिक समय तक प्रतिनियुक्ति में काम करने वाले शिक्षकों को निरंतर जन शिक्षक यानि सीएसी नहीं बनाना था। इसके संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आदेश जारी किए गए थे कि जो शिक्षक 4 वर्ष से भी अधिक समय से जन शिक्षक यानि सीएसी या बीएसी पद के दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं उनकी प्रति नियुक्ति समाप्त कर नए सिरे से सीएसी बीएसी को प्रतिनियुक्ति पर रखा जाए। जिसके परिपालन में जिला शिक्षा केंद्र द्वारा विगत दो महीने के अंतराल में तीन बार काउंसलिंग हेतु आदेश जारी किए गए । बावजूद इसके प्रक्रिया को सही तरीके से पूर्ण न करते हुए महज खानापूर्ति की गई। इधर कलेक्टर रीवा के निर्देश पर सहायक कलेक्टर आईएएस की मौजूदगी में 3 अक्टूबर को डायट रीवा में काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्ण की गई। लेकिन सूत्रों की माने तो काउंसलिंग प्रक्रिया में जिला शिक्षा केंद्र के जिम्मेदारों द्वारा पारदर्शिता नहीं बरती गई। काउंसलिंग प्रक्रिया में जो तथ्य सामने आए हैं उससे साफ जाहिर होता है कि कहीं ना कहीं अधिकारियों को धोखे में रखकर जिला शिक्षा केंद्र के जिम्मेदारों द्वारा काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्ण की गई। वास्तव में हकीकत क्या है यह तो जांच उपरांत ही पता चलेगा। लेकिन देखा यह गया है कि कई जगह 07 वर्ष से भी अधिक समय से जन शिक्षक यानि सीएसी प्रतिनियुक्ति पर काम कर रहे। पुराने जन शिक्षकों को हटाने की प्रक्रिया नहीं की गई और उन्ही शिक्षकों को प्रतिनियुक्ति से हटाए बगैर खाली पद दिखाने की जगह भरा पद दिखाते हुए काउंसलिंग करा दी गई। जिला शिक्षा केंद्र रीवा अंतर्गत आने वाले जिला रीवा एवं नवगठित जिला मऊगंज में आज की स्थिति में भी कई जन शिक्षकों को सारे नियम कायदों को दरकिनार कर 4 से 7 वर्ष तक निरंतर जन शिक्षक पद पर रखा गया है। जबकि राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जारी किए गए नियम अनुसार सीएसी बीएसी की प्रतिनियुक्ति मात्र 4 वर्ष के लिए की जाती है। अगली बार प्रतिनियुक्ति के लिए कम से कम 2 वर्ष की कूलिंग पीरियड का होना अनिवार्य है। लेकिन अपनों को फायदा पहुंचाने के लिए या यूं कहें कि सारे नियम कायदों को दरकिनार कर काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्ण कर दी गई। और इधर कई पुराने जन शिक्षकों की प्रति नियुक्ति ही समाप्त न करते हुए निरंतर बरकरार रखी गई। जिसका ताजा उदाहरण मऊगंज जिले के नईगढी जनपद शिक्षा केंद्र के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नईगढ़ी जन शिक्षा केंद्र में बतौर जन शिक्षक बीते 7 वर्ष से प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं। जिनकी प्रतिनियुक्ति समाप्त नहीं की गई। और न ही कूलिंग नियम का पालन किया गया। इसी तरह जनपद शिक्षा केंद्र नईगढ़ी अंतर्गत जन शिक्षा केंद्र भीर। जनपद शिक्षा केंद्र रीवा के जन शिक्षा केंद्र रहट तथा जनपद शिक्षा केंद्र खजुहा सहित हनुमना हनुमना जनपद शिक्षा केंद्र कुछ ऐसे उदाहरण है जो जिला शिक्षा केंद्र रीवा की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाते हैं। क्योंकि इन जन शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति ही समाप्त नहीं की गई और काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई। जबकि आदेश था कि नियमानुसार 4 वर्ष की प्रतिनियुक्ति अवधि पूर्ण करने वाले जन शिक्षकों को हटाकर खाली हुए पदों पर काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्ण कर जन शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की जाय। लेकिन यहां पुराने जन शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति समाप्त न करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों यहां तक की कलेक्टर रीवा को धोखे में रखकर जिला शिक्षा केंद्र रीवा के जिम्मेदारों द्वारा रीवा एवं मऊगंज जिले के जनपद शिक्षा केंद्र अंतर्गत आने वाले जन शिक्षा केदो में जन शिक्षकों की कोरम पूर्ति भरी प्रतिनियुक्ति काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई।

रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल ने दिए निर्देश ,सम्पत्ति विरूपण अधिनियम का कठोरता से पालन कराए

स्वामी की अनुमति के बाद ही निजी सम्पत्तियों का प्रचार में करें उपयोग

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा
शिवम तिवारी (ब्यूरो चीफ)

रीवा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिभा पाल ने सभी एसडीएम को सम्पत्ति विरूपण अधिनियम का कठोरता से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि शासकीय भवनों तथा परिसम्पत्तियों पर किसी भी तरह की प्रचार सामग्री लगाने की अनुमति नहीं होगी। यदि कोई व्यक्ति इसका उल्लंघन करता है तो कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। राजनैतिक तथा अन्य व्यावसायिक प्रचार-प्रसार के लिए निर्धारित उपकरणों एवं स्थलों का ही उपयोग करें। निजी सम्पत्ति में भी सम्पत्ति के मालिक की अनुमति के बाद ही प्रचार-प्रसार में उपयोग करें। सम्पत्ति का विरूपण करने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम, जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा आयुक्त नगर निगम सम्पत्ति विरूपण दस्ता तत्काल गठित कर दें। इन्हें आवश्यक उपकरण तथा संसाधन तत्काल उपलब्ध कराएं। सार्वजनिक सम्पत्तियों जैसे शासकीय भवन, बाउन्ड्रीवाल, सड़कों के डिवाइडर, बिजली और टेलीफोन के खंभे में किसी भी तरह की प्रचार सामग्री न लगाएं। यदि कोई इन पर बिना अनुमति और सूचना के प्रचार सामग्री लगाता है तो सम्पत्ति विरूपण दस्ता तत्काल कार्यवाही करे। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सम्पत्ति विरूपण अधिनियम का पालन कराने के लिए आवश्यक प्रबंध तत्काल करें।

रीवा की 4.2 लाख बहनों को मिली लाड़ली बहना योजना की राशि

लाड़ली बहना योजना ने महिलाओं को सम्मान और आर्थिक आत्मनिर्भरता दी है - सांसद

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा
विवेक तिवारी (संभागीय ब्यूरो)

रीवा। लाड़ली बहना का राज्य स्तरीय सम्मेलन बुरहानपुर में आयोजित किया गया। सम्मेलन से मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहना योजना की पाँचवी किस्त के रूप में 1597 करोड़ रुपए की राशि जारी की। रीवा जिले की 4 लाख 20 हजार से अधिक बहनों के खाते में राशि जारी की गई। पाँचवी किस्त के रूप में प्रत्येक हितग्राही को 1250 रुपए प्राप्त हुए हैं। इस कार्यक्रम का जिले के सभी नगरीय निकायों तथा ग्राम पंचायतों में सजीव प्रसारण दिखाया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम नगर निगम के टाउनहाल में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि लाड़ली बहना योजना ने महिलाओं को सम्मान और आर्थिक आत्मनिर्भरता दी है। घर गृहस्थी के छोटे-बड़े काम के लिए अब महिलाओं को किसी के आगे हाथ नहीं फैलाना पड़ता। महिलाओं को इस योजना ने आत्मविश्वास प्रदान किया है। बहनें इस योजना से प्राप्त राशि का बच्चों की पढ़ाई, दवाई और स्वयं के उपयोग के लिए खर्च करें। इस राशि का किसी भी स्थिति में दुरूपयोग न होने पाए। कई महिलाओं ने हर महीने

लाड़ली बहना योजना की राशि को बचाकर इससे छोटे-मोटे काम धंधे शुरू कर दिए हैं। इस योजना को लागू करने में जिले के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी कड़ा परिश्रम किया है। उनके प्रयासों के कारण ही लाखों महिलाओं को लाड़ली बहना योजना का लाभ मिला है। सांसद ने कहा कि सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने और हर क्षेत्र में आगे बड़ने का अवसर देने का लगातार प्रयास कर रही है। उज्ज्वला योजना

की हितग्राही बहनों तथा लाड़ली बहना योजना की हितग्राहियों को गैस सिलेण्डर रिफिल कराने में अब केवल 450 रुपए देने होंगे। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल तथा जनपद अध्यक्ष सिरमौर श्रीमती रवीना साकेत ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समारोह में लाड़ली बहना योजना से लाभान्वित हितग्राही श्रीमती प्रतिभा श्रीवास्तव ने अपने अनुभव सुनाए। उन्होंने कहा कि इस योजना की छोटी सी राशि ने मुझे बड़ी खुशियाँ दी हैं। समारोह में अतिथियों का स्वागत जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय ने किया। समारोह में सहायक संचालक आशीष द्विवेदी, उपायुक्त नगर निगम रूपाली द्विवेदी, परियोजना अधिकारी जीवेन्द्र सिंह तथा बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

एक सर्जरी के कारण प्रियंका चोपड़ा के हाथ से निकल गई थी कई फिल्में, अनिल शर्मा ने किया खुलासा

नई दिल्ली। फिल्म गदर 2 के निर्देशक अनिल शर्मा इन दिनों अपनी फिल्म की सफलता का आनंद उठा रहे हैं। गदर 2 हिंदी भाषा में सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। फिल्म की सफलता के बाद से लगातार अनिल शर्मा चर्चा में बने हुए हैं। अनिल शर्मा ने हाल ही में ग्लोबल अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के बारे में भी बात की है। बता दें कि अनिल शर्मा और ग्लोबल अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के बीच रिश्ते हमेशा से अच्छे रहे हैं। हाल ही में देगा इंटरव्यू में अनिल शर्मा ने प्रियंका चोपड़ा को लेकर बड़ा खुलासा किया है। आज के समय में जब प्रियंका पूरी दुनिया पर राज कर रही है मगर करियर के शुरुआती दिनों में उनकी स्थिति एक बार काफी खराब हो गई थी जब उन्हें फिल्मों से निकाल दिया गया था, जिसके पीछे उनकी नाक को जिम्मेदार ठहराया गया था। अनिल ने बताया कि प्रियंका चोपड़ा की करियर की शुरुआती दिनों में उन्होंने नाक की एक सर्जरी कराई थी जो खराब हो गई थी। इस सर्जरी के खराब होने के कारण प्रियंका काफी परेशान हो गई थी। उन्होंने बताया कि प्रियंका ने एडवांस चेक भी लौटा दिया था जो उन्हें दिया गया था। हालांकि इस कठिन समय में भी अनिल ने प्रियंका का साथ नहीं छोड़ा। इंटरव्यू में अनिल शर्मा ने बताया की फिल्म द हीरो के लिए प्रियंका चोपड़ा को साइन किया गया था लेकिन जब प्रियंका सर्जरी के बाद लौटी तो उन्हें पहचानना काफी मुश्किल था। उन्होंने कहा कि प्रियंका के साथ उसे समय बहुत बड़ी त्रासदी हो गई थी। दरअसल प्रियंका चाहती थी कि वह जूनियर रॉबर्ट्स की तरह दिखे इसलिए उन्होंने अपनी नाक की सर्जरी कराई। अनिल ने कहा कि जैसे ही यह सब हुआ मैंने प्रियंका को बुलाया और वह अपनी मां के साथ आई। प्रियंका ने ऑपरेशन और नाक के नीचे आए एक निशान के बारे में बताया और लगातार रोती रही। नाक की इस सर्जरी के कारण प्रियंका को कई अहम और बड़े प्रोजेक्ट्स से हाथ धोना पड़ा था जिसके लिए उन्हें पहले साइन किया गया था। अनिल ने कहा कि प्रियंका ने फैसला किया था कि वह बरेली जाएंगी और कुछ महीनों बाद वापस लौटेंगी। इस दौरान प्रियंका ने यह भी कहा था कि वह मुझे अपना साइन किया हुआ अमाउंट वापस कर देंगी। हालांकि अनिल ने कहा की इस कठिन समय में वो प्रियंका के साथ खड़े तरह थे।

प्रियंका चोपड़ा जबसे देश वापस आई हैं लगातार उनकी तस्वीरें और वीडियोज इंटरनेट पर छाए हुए हैं। बीती रात कुछ तस्वीरें सामने आईं जिनमें पैर की चोट के बावजूद प्रियंका फिल्म 'द स्काई इज पिंक' की रैपअप पार्टी में नजर आ रही हैं। जिसके बाद से लगातार प्रियंका की एनर्जी की तारीफ हो रही है। वहीं अब इस पार्टी के इनसाइड वीडियोज भी सामने आ चुके हैं। जिन्हें देखकर हर कोई हैरत में है। जी हां! इन सामने आए वीडियोज में प्रियंका चोपड़ा पैर में चोट होने के बाद भी जमकर नाचती और थिरकती नजर आ रहीं हैं। प्रियंका का व्हाइट ड्रेस और येलो बूट्स लुक वायरल हो गया है। इस लुक में खास बता ये है कि प्रियंका के घुटने में ब्लैक बैंडेज नजर आ रहा है। प्रियंका को शायद चोट लगी ये या फिर उन्हें घुटने में कोई प्रॉब्लम हुई है। इस वीडियो में प्रियंका अपने ही गाने 'धक धक धड़के' पर डांस करती नजर आ रही हैं। प्रियंका पैर की चोट के बाद भी पूरी एनर्जी की साथ थिरक रही हैं। इस पार्टी के कुछ दूसरे वीडियोज भी प्रियंका के फैंस कर वॉल पर नजर आ रहे हैं। इन वीडियो को देखने के बाद प्रियंका के फैंस उनकी एनर्जी के दीवाने हुए जा रहे हैं।

ओटीटी शो पर तंबाकू संबंधी चेतावनी को लेकर भारत सरकार ने कड़े नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली। क्या हॉटस्टार, अमेज़ॅन और नेटफ्लिक्स जैसे ओटीटी प्लेटफार्मों पर फिल्मों और टीवी श्रृंखलाओं में लंबी अवधि के धूम्रपान की चेतावनी होनी चाहिए? जबकि केंद्र सरकार ने इस साल मई में इस मामले पर नए नियम जारी किए थे, स्ट्रीमिंग वेबसाइटों ने कुछ आपत्तियां उठाई थीं। लेकिन, जल्द ही कोई समझौता हो सकता है। एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार ऐसे प्लेटफार्मों पर सख्त तंबाकू चेतावनियों के लिए 'व्यावहारिक समाधान' खोजने पर सहमत हुई है। 28 अगस्त को एक बंद कमरे में हुई

बैठक में, स्ट्रीमिंग अधिकारियों ने स्वास्थ्य मंत्रालय और सूचना और प्रसारण (ई) मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात की और मई के नियमों में ढील देने की मांग की क्योंकि वे उपयोगकर्ताओं के देखने के अनुभव को प्रभावित कर सकते हैं। फेसबुक, व्हाट्सएप और गूगल जैसे प्लेटफार्मों पर संभावित प्रतिबंधों के खतरे को दरकिनार करते हुए, भारत के दूरसंचार निगरानीकर्ता ने सोमवार को कहा कि ओवर-द-टॉप (ओटीटी) संचार सेवाओं को वर्तमान में नियामक ढांचे की आवश्यकता नहीं है। भारत की टेलीकॉम कंपनियां लंबे समय से उन ऐप्स के विनियमन की पैरवी कर रही हैं जो इंटरनेट पर मुफ्त वॉयस और टेक्स्ट सेवाएं प्रदान करते हैं, उनका तर्क है कि ऐसी सेवाएं उनके राजस्व को कम करती हैं। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने एक बयान में कहा, 'वर्तमान में निर्धारित मौजूदा कानूनों और विनियमों से परे, ओटीटी सेवाओं के रूप में संदर्भित सेवाओं के विभिन्न पहलुओं के लिए एक व्यापक नियामक ढांचे की सिफारिश करना उपयुक्त क्षण नहीं है।' ट्राई ने यह भी कहा कि ओटीटी सेवाओं की गोपनीयता और सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर किसी नियामक हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। फेसबुक, व्हाट्सएप और गूगल ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत जवाब नहीं दिया। नेट न्यूट्रैलिटी कार्यकर्ताओं ने ट्राई के फैसले का स्वागत किया, लेकिन टेलीकॉम उद्योग लॉबी समूह, सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) ने कहा कि ट्राई ने दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) और के बीच नियामक असंतुलन और गैर-स्तरीय खेल मैदान जैसे मुद्दों का समाधान नहीं किया है। ओटीटी संचार खिलाड़ी। सीओएआई के महानिदेशक एसपी कोचर ने एक बयान में कहा, 'इन मुद्दों के समाधान के बिना टीएसपी ओटीटी संचार सेवा प्रदाताओं की तुलना में नुकसानदेह स्थिति में बने रहेंगे।'

ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ की फिल्म में नजर आएगी ये एक्ट्रेस

मुम्बई। बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर पिछले कई दिनों से लाइमटाइम से बाहर चल रही थीं

लेकिन आज सुबह ही वाणी ने अपनी कुछ फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। नियोन कलर की मॉनोकनी फोटोज शेयर करके वाणी कपूर फिर से चर्चा में छाई हुई है। वाणी इन दिनों हॉलीडे पर हैं और उनकी फोटोज देखकर फैंस दीवाने हुए जा रहे हैं। बता दें कि वाणी 'फाइटर्स' में ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी जिसे सिद्धार्थ आनंद डायरेक्ट कर रहे हैं। वहीं 'शमशेरा' में वाणी एक्टर रणबीर कपूर और संजय दत्त के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

अपनी फोटोज शेयर करते हुए वाणी ने लिखा कि इस समय मेरा माइंड कुछ ऐसा चल रहा है। इन फोटोज को अबतक एक लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं। वाणी के इन फोटोज पर यूजर्स कई तरह के कमेंट कर रहे हैं। इसी के साथ कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा ने भी 'जस्ट टेक इट ईजी' कमेंट किया है। बता दें कि 30 साल की एक्ट्रेस बिना किसी को बताए अपने कुछ दोस्तों के साथ वेकेशन पर हैं। कई फोटोज में वाणी अपने दोस्तों के साथ मजे करती नजर आ रही है। वाणी दो साल पहले 2016 में रणवीर सिंह के साथ 'बेफिक्रे' में नजर आई थीं। इसके बाद इनकी अभी तक कोई फिल्म नहीं आई है। अब इनकी दो फिल्में 'फाइटर्स' और 'शमशेरा' बॉक्स ऑफिस पर छाने को तैयार हैं।

जेनिफर लोपेज के बाद अब शाहिद कपूर-मीरा राजपूत करेंगे यह काम!

अभिनेता शाहिद कपूर और उनकी पत्नी मीरा ने भारतीय योग और वेलनेस स्टार्टअप सारवा (एसएआरवीए) में निवेश किया है और अब इसके साथ ही वे लोगों को योग आधारित वेलनेस को आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करने वाली हस्तियों की सूची में शामिल हो गए हैं। इनमें जेनिफर लोपेज, एलेक्स रोड्रिगेज और कई अन्य हस्तियां भी शुमार हैं। एक योगी से उद्यमी बने सर्वेश शशि की अगुआई में स्टार्टअप सारवा में वैश्विक निवेशकों की सूची में बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा भी शामिल है। बॉलीवुड के सबसे फिट कलाकारों में से एक शाहिद के फिटनेस रूटीन से कई लोग प्रेरित है जबकि मीरा स्वस्थ जीवनशैली और ऑर्गेनिक खानपान की समर्थक रहीं है। शाहिद ने एक बयान में कहा, 'फिटनेस और वेलनेस के साथ मेरे सफर की शुरुआत दो दशक पहले हुई थी जब मैं एक टीनएजर था।' शाहिद ने आगे कहा, 'इन सालों में मैंने फिटनेस और एक स्वस्थ जीवन के फायदों को देखा है इसलिए जब हम सर्वेश से मिले तो सारवा से हम तुरंत जुड़ सके।

ब्रेकअप के एक साल बाद आशा नेगी तोड़ी चुप्पी

मुम्बई। आशा नेगी इन दिनों अपने वेब शो 'ख्वाबों के परिंदे' को लेकर चर्चा में है। गुरुवार को ही इस शो का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जबकि 14 जून को 'वूट' ऐप पर पूरी सीरीज रिलीज होगी। आशा नेगी और रित्वकि का ब्रेकअप कुछ-कुछ वैसा ही था, जैसे बॉलिवुड में रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण का। अब 'पिंकविला' को दिए इंटरव्यू में आशा नेगी ने कहा है कि ब्रेकअप के एक साल बाद वह और रित्वकि दोनों अच्छे दोस्त हैं और उनके बीच सबकुछ सामान्य है।

आशा नेगी कहती है, 'यह अच्छा है। हम दोनों के 'गुड टर्म्स' पर हैं। हमारी जब भी बात होती है, अच्छे से होती है। हमारे बीच अब फॉर्मल रिलेशन है। हम एक दूसरे से कोई काम की बात शेयर करने के लिए ही बात करते हैं। रिश्ते में कोई खटास नहीं है और यह अच्छा है।'

आशा नेगी आगे कहती है, 'रित्वकि अपनी जिंदगी में आगे बढ़ गया है। मै भी मूव ऑन कर चुकी हूं और मुझे लगता है कि अब इस बात को एक साल से अधकि वक्त हो गया है। इसलिए हम सभी को

ऐसे हालात में मूव ऑन कर लेना चाहिए। आप हमेशा अपने सामने वाले शख्स की खुशी चाहते है। उसे स्वस्थ और सक्सेसफुल देखना चाहते हैं। हमारे साथ भी ऐसा ही है। मुझे लगता है कि यही सबसे जरूरी है। यही इस बाद के रिश्ते की खूबसूरती है।'

एक साल पहले जब आशा नेगी और रित्वकि के ब्रेकअप की खबर आई थी, तब रित्वकि के एक अजीब इंस्टाग्राम पोस्ट ने आग में घी डालने का काम किया था। रित्वकि ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था, 'कुछ भी वापस सामान्य नहीं होना चाहिए। सामान्य होना काम नहीं कर रहा था। अगर हम वापस उसी राह पर चले जाते है जैसे चीजें थीं, तो हमने कोई सबक नहीं लिया। अच्छा होगा कि हम इससे ऊपर उठें और बेहतर करें।'

बहरहाल, यह अच्छी बात है कि ब्रेकअप के बाद आशा और रित्वकि दोनों के रिश्ते अब दोस्तों से ज्यादा शुभचिंतकों वाले हैं। वर्कफ्रंट पर आशा नेगी जहां टीवी से दूर अब वेब शोज पर फोकस कर रही है, वहीं रित्वकि धनजानी इन दिनों 'सुपर डांसर 4' शो को होस्ट कर रहे हैं। इसमें कोई दोराय नहीं है कि दोनों ने अपने ब्रेकअप और उसके बाद अपने रिश्ते को पूरी परिपक्वता के साथ संभाला है।

मंदिर में पत्नी के साथ नजर आए खेसारीलाल

भोजपुरी फिल्म जगत के सुपरस्टार खेसारीलाल यादव की आज सालगिरह है। हर साल की तरह इस साल भी वह अपने परिवार के साथ अपनी सालगिरह बेहद सामान्य अंदाज में मना रहे हैं। अपनी सालगिरह के दिन खेसारीलाल यादव अपनी पत्नी चंदा देवी और दोनों बच्चों के साथ मंदिर में पूजा करने पहुंचे। जहां खेसारीलाल और उनकी पत्नी ने साथ में पूजा की और भगवान का आशीर्वाद लिया। आपको बता दें, खेसारीलाल यादव एक ऐसे अभिनेता हैं, जो दर्शकों के दिलों पर राज करते हैं। लोग उन्हें उनके शानदार अभिनय और उनके संगीत के लिए पसंद करते हैं। खेसारीलाल ने अपनी इस पहचान को बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है।

'आंख मिचौली' का ट्रेलर रिलीज, मृणाल ठाकुर और अभिमन्यु दसानी की शादी में होगा हंगामा

मुम्बई। आंख मिचौली का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में मृणाल ठाकुर और अभिमन्यु दसानी मुख्य भूमिका में हैं। उमेश शुक्ला की अगली फिल्म आंख मिचौली का ट्रेलर हाल ही में लॉन्च किया गया है और यह त्यौहारी सीज़न के दौरान हमारा मनोरंजन करने के लिए एक शानदार कलाकार के साथ एक मनोरंजक यात्रा का वादा करता है। फिल्म में मृणाल ठाकुर और अभिमन्यु दसानी मुख्य भूमिका में हैं।

आंख मिचौली का ट्रेलर रिलीज हो गया है। एक भारतीय शादी के इर्द-गिर्द स्थापित यह फिल्म दो बेमेल परिवारों के पागलपन और उनकी पागल चालों को दिखाती है जो दर्शकों को हंसी, नाटक और भावनाओं से भरी एक आनंदमय यात्रा पर ले जाएगी। ट्रेलर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए मृणाल ने लिखा, 'यहां आपकी आंखों के लिए एक छोटी सी दावत है! पूरे परिवार के लिए हंसी-मजाक और मौज-मस्ती से भरे बेहतरीन मनोरंजन के लिए तैयार हो जाइए। आंख मिचोली का ट्रेलर अब रिलीज! ध्यान से देखें, इसमें जो दिखता है उससे कहीं अधिक है।'

फिल्म में परेश रावल, मृणाल ठाकुर, अभिमन्यु, शरमन जोशी, दिव्या दत्ता, अभिषेक बनर्जी, दर्शन जरीवाला, ग्रुशा कपूर और विजय राज हैं और फिल्म का संगीत बेहद प्रतिभाशाली जोड़ी सचिन-जिगर ने बनाया है।

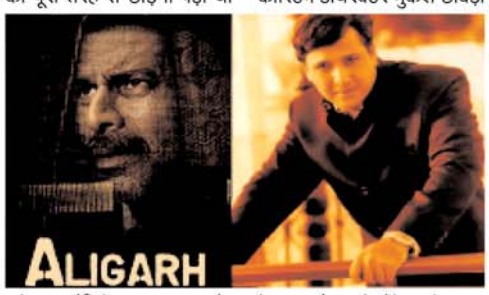

उमेश शुक्ला द्वारा निर्देशित, जीतेंद्र परमार द्वारा लिखित और सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस, उमेश शुक्ला और आशीष वाघ के मैरी गो राउंड स्टूडियो द्वारा निर्मित, आंख मिचोली 27 अक्टूबर को पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

अलीगढ़' के लिए मनोज बाजपेयी नहीं, गोविंदा थे हंसल की पहली पसंद

फिल्म निर्माता ने इंटरव्यू में किया खुलासा

मुम्बई। फिल्म निर्माता हंसल मेहता ने हाल ही में साझा किया था कि वह अपनी प्रशंसित फिल्म 'अलीगढ़' में मुख्य भूमिका के लिए गोविंदा को लेना चाहते थे, जिसमें मनोज बाजपेयी और राजकुमार राव प्रमुख भूमिकाओं में थे।

लल्लनटॉप के साथ एक साक्षात्कार में मेहता ने कहा, 'कभी-कभी जब आप स्क्रिप्ट लिखते समय किसी अभिनेता के बारे में सोचते हैं, तो आप उस अभिनेता पर अटक जाते हैं। मेरे साथ पहले भी ऐसा हुआ है जब एक अभिनेता ने एक प्रोजेक्ट करने से इनकार कर दिया था जो मैंने उसे रखकर लिखा था मेरा मन। तो, उस स्थिति में मुझे कहानी को पूरी तरह से छोड़ना पड़ा या

इसे पुनः कैलिब्रेट करना पड़ा और इसे वर्षों बाद बनाना पड़ा। यह मेरे साथ अलीगढ़ के दौरान हुआ था। जब मैं अलीगढ़ के लिए कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा के साथ बैठा, तो मैंने उनसे कहा, 'यार, चलो 'गोविंदा से बात करो।' अलीगढ, अलीगढ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. श्रीनिवास रामचन्द्र सिरस के जीवन पर केंद्रित है। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर सफलता नहीं मिली, लेकिन 'अलीगढ़' आलोचकों को प्रभावित करने में कामयाब रही और वर्तमान में रॉटेन टोमाटोज़ पर 85 प्रतिशत दर्शक रेटिंग रखती है, जबकि आलोचनात्मक सहमति 100 प्रतिशत रेटिंग का दावा करती है।

फिल्म में मनोज और राजकुमार राव के अलावा दिलनाज़ ईरानी, इश्वाक सिंह और आशीष विद्यार्थी भी अहम भूमिका में थे। अलीगढ़ प्राइम वीडियो, ँ5 और भ्दलऊलं पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है।

लता मंगेशकर की जयंती पर प्रधानमंत्री ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महान गायिका लता मंगेशकर की 94वीं जयंती पर बृहस्पतिवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लता दीदी को

उनकी जयंती पर याद कर रहा हूं। भारतीय संगीत में उनका योगदान दशकों तक रहा है, जिसने एक चिरस्थायी प्रभाव पैदा किया है। उनकी भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने गहरी भावनाओं को जगाया है। उनका हमारी संस्कृति में हमेशा एक विशेष स्थान रहेगा। लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर, 1929 को हुआ था। उन्होंने बॉलीवुड में अनगिनत सदाबहार गाने गाए हैं।

सुशांत सिंह की जिंदगी पर बनी फिल्म पर नहीं लगेगी रोक

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने फिल्म 'न्याय : द जस्टिस' की रिलीज पर रोक लगाने से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया। यह फिल्म बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की जिंदगी पर कथित तौर पर आधारित है। फिल्म इस शुक्रवार को रिलीज होने वाली है। न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने राजपूत के पिता कृष्ण किशोर सिंह की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया। सिंह ने फिल्मों में अपने बेटे के नाम या किसी भी तरह की समानता के इस्तेमाल पर रोक लगाने का अनुरोध किया था।

न्यायमूर्ति संजीव नरूला की एकल पीठ ने अभिनेता के पिता द्वारा आगामी फिल्म की रिलीज के खिलाफ अंतरिम निषेधाज्ञा की

मांग करने वाले आवेदन में यह आदेश पारित किया। दिल्ली उच्च न्यायालय को बुधवार को बताया गया कि 'न्यायः द जस्टिस' सुशांत के कैरिकेचर, नाम या समानता को चित्रित नहीं करती है क्योंकि यह उन पर एक बायोपिक नहीं है।

11 जून को रिलीज होने वाली फिल्म के निर्माता और निर्देशक द्वारा कोर्ट में अपनी सफाई प्रस्तुत की गयी थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया और फिल्म के निर्माताओं और निर्देशक से फिल्म को रिलीज नहीं करने के लिए कहा। जब तक अदालत अपना फैसला सुनाती है।

राजपूत के पिता - कृष्ण किशोर सिंह द्वारा दायर याचिका के अनुसार - उनके बेटे के जीवन पर आधारित कुछ आगामी या प्रस्तावित फिल्म परियोजनाएं हैं - 'न्यायः न्याय', 'आत्महत्या या हत्याः एक सितारा खो गया', 'शशांक, 'और भी कई तरीके की फिल्में सुशांत सिंह राजपूत की जिंदगी को लेकर बनायी जा रही हैं। इस फिल्मों पर रोक लगाने के लिए सुशांत के पिता ने कोर्ट में याचिका दायर की थी।

राजपूत के पिता ने तर्क दिया है कि फिल्म निर्माता व्यावसायिक लाभ के लिए स्थिति का फायदा उठा रहे हैं और इसलिए, भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार उन पर लागू नहीं होगा। आने वाली और प्रस्तावित फिल्मों के फिल्म निर्माताओं ने राजपूत के पिता की दलीलों का विरोध किया है।

रोहित शेट्टी ने दिखाया सलमान खान से भाईचारा

मुम्बई। एक बार फिर रोहित शेट्टी ने साबित किया है कि वह सलमान खान के लिए छोटे भाई की तरह हैं, सलमान खान भी उनके इस प्यार इमोशनल हो गए हैं। दरअसल बात ही कुछ ऐसी है कि भाईजान भी अपने छोटे भाई का बडप्पन देखकर कुछ भावुक हो गए हैं। क्योंकि रोहित ने आगामी ईद पर रिलीज होने जा रही अपनी अक्षय कुमार स्टारर 'सूर्यवंशी' की रिलीज डेट में बस सलमान के लिए बदलाव कर डाला हैं। पूरे हफ्ते से बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान बॉक्स ऑफिस पर छाए हुए हैं। हाल ही में ईद पर रिलीज हुई उनकी फिल्म 'भारत' ताबडतोड कमाई कर रही है। वहीं इसके साथ ही सलमान ने अगली ईद पर अपनी फिल्म 'इंशाल्लाह' के रिलीज की घोषणा भी कर दी थी। लेकिन इस खबर के बाद से रोहित शेट्टी की 'सूर्यवंशी' और 'इंशाल्लाह' के आपस में टकराने की खबरें सामने आ रही थी। वहीं अब रोहित शेट्टी के ऐलान ने सारी खबरों पर विराम लगा दिया है। इस खबर के सामने आने के बाद अभी कुछ ही देर पहले सलमान खान ने इस बात को अपने इंस्टाग्राम पेज शेयर किया है।

राष्ट्रीय टीम योगी महासंघ ने मप्र मे किया टीम का गठन

रश्मि चौहान
दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर । राष्ट्रीय टीम योगी महासंघ द्वारा आज गोले के मंदिर पुष्पांजली टुडे ऑफिस मे कार्यक्रम किया गया जिसमे मध्यप्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह राजावत जी मुख्य रूप से उपस्थित रहे साथ ही प्रदेश मीडिया प्रभारी भरत सिंह चौहान भी उपस्थित रहेकार्यक्रम का संचालक प्रदेश अध्यक्ष जी के द्वारा किया गया उसके बाद रंजीत सिंह सेंगर जी को प्रदेश उपाध्यक्ष मप्र की जिम्मेदारी दी गई साथ ही देवेन्द्र सिंह भदौरिया जी को प्रदेश संगठन मंत्री बनाया गया और दोनों का माला पहनाकर स्वागत किया गया और सभी ने शुभकामनायें भी दीकार्यक्रम के अंत मे प्रदेश उपाध्यक्ष रंजीत सिंह सेंगर ने मिठाई खिलाकर सभी को धन्यवाद दिया

पुलिस महानिदेशक रीवा जोन के.पी. वेंकटेश्वर राव की पहल पर पुलिस परिवार की महिलाओं हेतु ब्यूटीशियन कोर्स के 45 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड सतना के तत्वावधान में कौशल विकास एवं स्वरोजगार उन्नयन हेतु पुलिस लाइन रीवा स्थित सामुदायिक भवन में पुलिस परिवार की महिलाओं हेतु 45 दिवसीय ब्यूटीशियन कोर्स का निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक महोदय रीवा जॉन रीवा श्री के. पी. वेंकटेश्वर राव जी द्वारा किया गया। इस

कार्यक्रम में पुलिस परिवार की 30 महिलाओं को ब्यूटी पार्लर के कोर्स का प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में उप पुलिस महानिदेशक रीवा जोन श्री मिथिलेश कुमार शुक्ला, पुलिस अधीक्षक रीवा विवेक सिंह, प्रिज्म सीमेंट के प्रेसिडेंट श्री एमपी त्रिपाठी, डीएसपी गायत्री तिवारी, देवेंद्र मिश्रा, प्रकाश पांडे, जय गुरुदेव वेलफेयर आर्गेनाईजेशन के संजय सोनी, प्रशिक्षिका सुमन मिश्रा, आर आई वंदना सिंह, उप निरीक्षक सपना मिश्रा, सूबेदार अंजली गुप्ता एवं पुलिस परिवार की महिलाएं उपस्थित रही।

सायबर सेल द्वारा हेल्थ एवं वेलनेस अंबेसडर आरोग्य दूत द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में दिया गया सायबर संबंधी प्रशिक्षण

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। पुलिस अधीक्षक रीवा विवेक सिंह के कुशल नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर रीवा के मार्गदर्शन में सायबर सेल जिला रीवा आर. सुभाष चंद्र के द्वारा हेल्थ एवं वेलनेस अम्बेसडर आरोग्य दूध द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में सायबर फ्रॉड, महिला संबंधी सायबर अपराध से बचाव, मोबाइल का उपयोग एवं सोशल मीडिया के प्रभाव व दुष्प्रभाव के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया एवं किसी प्रकार का सायबर अपराध घटित होने पर तुरंत अपने नजदीकी थाने, सायबर सेल से संपर्क कर शिकायत देने का सुझाव दिया गया।

रीवा जिले के त्योथर में तमसा आरती घाट के टमस नदी पर चल रहा अवैध रेत खनन

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा
शिवम तिवारी (ब्यूरो चीफ)

रीवा।त्योंथर बाजार के तमसा आरती घाट के टमस नदी में आखिर किसके संरक्षण में दिन रात चल रहा अबैध रेत का खनन व परिवहन,सुबह होते ही शुरू हो जाता है त्योंथर बाजार के संकीर्ण रास्ते से अवैध रेत का परिवहन रोजाना पचासों ट्रैक्टर ट्राली रेत का होता है अवैध परिवहन इतना ही नहीं अवैध रेत से भरे ट्रैक्टर त्योंथर के वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यालय और बंगले के सामने से ही गुजरते हैं उसके बावजूद कार्यवाही न होना कयी सवाल पैदा करते हैं, जहां आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर पुलिस और प्रशासन द्वारा अपराधों पर नियंत्रण की बात कही जा रही है वहीं रेत माफियाओं पर इतनी मेहरबानी क्यों, त्योंथर बाजार के टमस नदी का आरती घाट अब पूर्ण रूप से रेत माफियाओं के कब्जे में है और न इनको पुलिस और प्रशासन का कोई भय है खनिज विभाग भी कार्यवाही को लेकर मूकदर्शक बना हुआ है जबकि पूरे मामले पर लगातार खनिज विभाग के जिला अधिकारी को अवगत कराया जा रहा है,अब देखना होगा कि प्रशासन पूरे मामले पर कितनी गंभीरता दिखाता है या यूंही रेत माफियाओं द्वारा टमस नदी का सीना छलनी किया जाता रहेगा

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भिंड मेडिकल कॉलेज का ऑनलाइन भूमिपूजन किया

भिण्ड जिले में 268 करोड़ की लागत से बनेगा 100 बिस्तरीय मेडिकल कॉलेज

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा बालाघाट में आयोजित कार्यक्रम से भिंड जिले में बनने वाले मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन

सहकारिता मंत्री डॉ भदौरिया ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को दिया धन्यवाद

किया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण आईटीआई कैम्पस में देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नरवरिया, कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव, एसडीएम भिण्ड रवि मालवीय, सीएमएचओ डॉ शिवराम सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जिसमें भिण्ड जिले के फूपकला में बनने वाले 268.01 करोड़ की लागत से 100 बिस्तरीय मेडिकल कॉलेज का भी भूमिपूजन मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा किया गया। सहकारिता एवं लोकसेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने भिण्ड जिले को मेडिकल कॉलेज की सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

मुख्यमंत्री द्वारा 2 सितंबर को अतिथि शिक्षक की महापंचायत में की गई घोषणाओ पर अमल करने की मांग की

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मध्य प्रदेश अतिथि शिक्षक संघर्ष समिति के द्वारा 4 अक्टूबर को माननीय मुख्यमंत्री महोदय को जिला कलेक्टर के प्रतिनिधि के तौर पर कार्यालय अधीक्षक के माध्यम से ज्ञापन दिया गया 7ज्ञापन मे जिले के समस्त अतिथि शिक्षक ने अनुरोध किया है की बिगत 10 से 15 वर्षो से शासकीय विद्यालय में कार्यरत अतिथी शिक्षक अध्यापन का कार्य कराते आ रही है जिन्होंने आपकी शालों में अध्यापन के अलावा विद्यालय के समय पर पहुंचकर स्कूल के ताले भी खोले और बोर्ड परीक्षा में भी शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम भी दिया उक्त कार्यों का बखान आपने 2 सितंबर की अतिथि शिक्षक महा पंचायत में स्वयं किया था और जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान आपने स्वयं हम लोगों के बीच पहुंचकर भविष्य सुरक्षित करने का आशासन दिया था आज मध्य प्रदेश शासन के द्वारा भारी संख्या में प्रमोशन व स्थानांतरण किया जा रहे हैं जिससे हमारे 90 प्रतिशत अतिथी शिक्षक बाहर हो गई है जो शिक्षक का रोजगार चलाकर रोजी-रोटी आती ऐसे हजारों लोगों का रोजगार

छिन गया है तथा गरीब असहाय अतिथि शिक्षकों के जीवन में अंधेरा हो गया है 7 अतिथि विद्वानों के साथ श्रीमान जी ने सकारात्मक कदम रखा है तो हमारे साथ सौतेला व्यवहार क्यों किया जा रहा है जिन अतिथि शिक्षकों के गत 10 से 12 वर्ष तक आपको सेवाएं दी है वह अतिथि शिक्षक आज एक आदेश के तहत उनको बाहर का रास्ता दिखा दिया जा रहा है 7 उक्त कार्य निंदनीय एवं चिंता का विषय है जिनकी हम सब अतिथि शिक्षक लोग घोर निंदा करते हैं।ज्ञापन देने के लिए मुख्य रूप से उपस्थित रहे राजेश सिंह कामत जिला अध्यक्ष बलराम दीक्षित जिला उपाध्यक्ष एस के माहेश्वरी निशा भदोरिया संध्या दुबे प्रमोद भदौरिया अबिल चौधरी सौरभ बघेल शशिकांत हम सिंह नीरज सिंह बृजेश बघेल रंजीत स्वास्थ्य हरेंद्र सिंह गोविंद सिंह दोहरी नीरज नरवरिया जबर सिंह देशराज सिंह सतीश बौद्ध धर्म सिंह भदोरिया अरुण सैनी कोमल नीरज विशाल संदेश विजय गर्ग दिनेश देवेश चंद्रशेखर दिलीप कुमार दोहरी राजकुमार चंद्रशेखर पवन सिंह दीपक सिंह जल सिंह बघेल अर्जुन कुमार उत्तम सिंह गोविंद सिंह होम सिंह रंजीत अवस्थी प्रमोद कुमार दीपक कुशवाह अशोक कटारे मान सिंह राठौर दिनेश श्रीवास विजय गर्ग देवेश साई गोपाल यादव अरुण सैनी आदि।

फूड विभाग ने किचन से पनीर, दूध दही के लिए सैंपल, मैस ठेकेदार से पूछताछ जारी

ग्वालियर।ग्वालियर में में मंगलवार रात फूड पॉइजनिंग के चलते करीब एक सेकंड से ज्यादा छात्रों की तबीयत बिगड़ने के मामले में बुधवार सुबह फूड विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारी में पहुंचे हैं। जहां फूड विभाग ने मैस में बनने वाले खाने के सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिए हैं।सोमवार रात को मैस में बनी पनीर की सब्जी खाने से एक सैकड़ा से अधिक छात्र-छात्राओं की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। कर्मचारियों ने तत्काल जयारोग्य के हजार बिस्तर के अस्पताल में भर्ती कराया था। इन सभी छात्रों को फूड पॉइजनिंग के चलते उल्टियां हो रही थी। इन छात्रों में पांच छात्र ऐसे भी हैं जिन्हें फूड पॉइजनिंग के कारण तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर आईसीयू में भर्ती किया गया था। इनमें से एक ही हालत नाजुक है।

शहर के रेसकोर्स रोड स्थित संस्थान में मंगलवार को उस समय ह?कंप मंच गया था जब एक सैक?ा से अधिक छात्र छात्राएं फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए थे। पूछताछ में छात्रों ने बताया था कि सोमवार रात को उन्होंने डिनर में सादा चपाती के साथ उनको खाने में पनीर दिया गया था। पनीर ग्रेवी वाला था। पनीर खाने के बाद छात्र अपने अपने कमरे में सो गए थे, लेकिन सोमवार-दरमियानी रात से ही छात्रों को पेट में दर्द और दस्त की शिकायत होने लगी थी। इनमें कुछ छात्रों को उल्टियां होने लगीं थी। उस

समय तो यह बात सामान्य लग रही थी, लेकिन मंगलवार सुबह होते-होते हालत बद से बदतर होने लगे थे। और करीब 100 से ज्यादा छात्र-छात्राएं बुरी तरह से उल्टी दस्त से ग्रसित होने लगे थे। इसके बाद छात्र-छात्राओं को बीमार होता देख के अधिकारी और कर्मचारियों ने तत्काल सभी को कैंपस में बने अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन अस्पताल में बच्चों की हालत में सुधार नहीं हुआ और उनकी हालत हर मिनट बिगड़ती जा रही थी, इसके बाद इन सभी छात्रों को गंभीर हालत में जयारोग के एक हजार वाले बिस्तर के अस्पताल में मंगलवार रात को भर्ती कराया गया था।जेएच अधीक्षक ने रात को इमरजेंसी लागू कर **डॉक्टर को बुलाया था हॉस्पिटल**-मंगलवार रात को फूड पॉइजनिंग के कारण बीमार हुए छात्र ने दैनिक भास्कर से बात करते हुए बताया था कि उन्होंने सोमवार रात को डिनर में पनीर खाया था। खाना खाने के बाद रात से ही उनकी तबीयत बिगड़ने लगी थी, सुबह उनको कैंपस के कर्मचारियों ने कैंपस में ही बने हॉस्पिटल में भर्ती कराया था लेकिन हालत ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें जयारोग अस्पताल में शिफ्ट किया गया है।खाद्य विभाग के अधिकारियों ने कैंपस की किचन से पनीर, दूध,दही घी, तेल,आटा, चावल,सलाद,मसाले सहित एक दर्जन खाद्य सामग्री के सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिए हैं। सैंपल की जांच आने पर यह स्पष्ट हो पाएगा कि किचन में बने खाद्य पदार्थ खाने से फूड पॉइजनिंग के शिकार होकर तबीयत बिगड़ी थी। खाद विभाग के फ्रूट इंस्पेक्टर सतीश धाकड़ का कहना है कि मंगलवार रात को स्हृढ्क्क्ष में खाना खाने से कुछ छात्र बीमार हो गए थे जिसके बाद आज संस्थान के किचन से किचन में बनने वाले खाने के सैंपल लिए गए हैं। इन सैंपल में दूध दही की पनीर सलाद चावल सहित अन्य सामग्रियों के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे हैं जांच आने पर ही छात्र छात्राएं की तबीयत बिगड़ने की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

धर्मेंद्र तोमर पत्रकार विकास परिषद के राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त पत्रकारों ने दी बधाइयां

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से प्रकाशित दैनिक हिंदुस्तान समाज समाचार पत्र के ग्रुप एडिटर एवं प्रधान संपादक धर्मेंद्र तोमर को पत्रकार विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेंद्र कुसमाकर ÷श्रीमाली÷ के निर्देशानुसार एवं राष्ट्रीय कार्य समिति के प्रस्ताव पर पत्रकार विकास परिषद का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया जाता है एवं श्री तोमर से अपेक्षा की जाती है कि पत्रकार विकास परिषद के चहुमुखी विकास हेतु सतत सक्रिय रहकर के संगठन को आगे बढ़ाने में अपना विशेष सहयोग प्रदान करेंगे। इस अवसर पर पत्रकार विकास परिषद के श्री सुरेंद्र कुसमाकर श्रीमाली राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्रीमती निर्मला कुसुमाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, श्री शिवरतन नामदेव राष्ट्रीय सचिव, महेंद्र सिंह अतरैला राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, विकास भारद्वाज राष्ट्रीय कार्यालय सचिव, कमलेश कुशवाहा राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी, देवेंद्र मिश्रा राजा गौतम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, विनोद गुप्ता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अनुपम गुप्ता राष्ट्रीय महासचिव, सैयद महमूद अली चिश्ती राष्ट्रीय संयोजक, संपत दास गुप्ता राष्ट्रीय प्रवक्ता, दिनेश गोस्वामी प्रांतीय संयोजक मध्य प्रदेश, राजेंद्र सोनी राष्ट्रीय सह. संयोजक, अनिल पटेल राष्ट्रीय सह सचिव, अरविंद द्विवेदी प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश, उपेंद्र प्यासी प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रमोद सिंह सेंगर प्रदेश उपाध्यक्ष मध्य प्रदेश, इंद्रभान उपाध्याय प्रदेश महासचिव, संजीव पुरोहित प्रदेश महासचिव, जुनैद खान प्रदेश सचिव मध्य प्रदेश, मुकेश

सोंधिया प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, अनिरुद्ध प्रताप सिंह नोएडा दिल्ली, मोहम्मद शाकिर बिजनौर उत्तराखंड, केपी विश्वकर्मा पुणे महाराष्ट्र, शमीम सिद्दीकी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, मोहन पटेल सह सचिव मध्य प्रदेश, उमाकांत द्विवेदी संभागी महासचिव रीवा संभाग,ज्योति पल्ले जिला अध्यक्ष इंदौर, गोविंद राज बिंद जिला अध्यक्ष सिंगरौली,अनुराग द्विवेदी जिला महासचिव सिंगरौली, दिनेश कुमार सोनी जिला अध्यक्ष सतना, सुशील विश्वकर्मा जिला अध्यक्ष कटनी, एडवोकेट मेनका सैनी जिला सचिव बिलासपुर छत्तीसगढ़, गोपालदास बंसल संभागीय अध्यक्ष शहडोल संभाग, दिनेश पिपरसानिया संभागीय अध्यक्ष सागर संभाग, नीलेश द्विवेदी जिला अध्यक्ष शहडोल, राहुल नामदेव जिला महासचिव शहडोल,मणि कांत गुप्ता खजुराहो छतरपुर, विजय यादव जिला अध्यक्ष दमोह, सौरभ ताम्रकार संभागीय उपाध्यक्ष सागर संभाग, सुदेश जायसवाल संभाग प्रभारी नर्मदा पुरम एवं जबलपुर संभाग, भुवन लाल कुशवाहा जिला अध्यक्ष छिंदवाड़ा, पंकज दुबे जिला सचिव छिंदवाड़ा, मनीष वाघेला प्रदेश महासचिव मध्य प्रदेश, हेमेंद्र सिंह राठौर जिला अध्यक्ष झाबुआ, संजय तिवारी पिछोर शिवपुरी, शिवम पांडे खनियाधाना शिवपुरी, सत्येंद्र सिंह पिछोर शिवपुरी, नीरज राय जिला अध्यक्ष हरदा, नीलिमा डाबी प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ मध्य प्रदेश, रामप्रताप बर्मन ग्रामीण जिला अध्यक्ष जिला पन्ना, धर्मेंद्र मिश्रा जिला अध्यक्ष रीवा, शैलेंद्र जायसवाल संभागीय अध्यक्ष रीवा संभाग, अंशुल प्रसाद द्विवेदी तहसील अध्यक्ष नईगढ़ी, भरत सिंह लोधी जिला उपाध्यक्ष दमोह, अश्वनी जायसवाल, सुरेंद्र त्रिपाठी, इंद्रपाल उपाध्याय, राजभान उपाध्याय, बृजेंद्र मिश्रा, रशीद खान, कृष्ण कुमार कुशवाहा, अनूप कुशवाहा, रेखा कुशवाहा, हीरामणि शर्मा, विद्याधर दुबे, आकाश कोचे छिंदवाड़ा, महेश शर्मा हर्रई छिंदवाड़ा शाहिद बड़ी संख्या में पत्रकार विकास परिषद के पदाधिकारी व सदस्यों ने एवं पत्रकारों ने श्री धर्मेंद्र तोमर को राष्ट्रीय महासचिव बनाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478